पटना ● बुधवार, 19 जून 2024 | मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 | वर्षः 5, अंकः158 | www.bordernewsmirror@gmail.com ☎ 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

बॉर्डर न्यूज मिरर

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

"खबरों से समझौता नहीं"

13 जुलाई को होगा राष्ट्रीय लोक... 3 | www. bordernewsmirror.com | जानबूझ कर टीवी से दूर रहीं... 8

मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है, मैं यहीं का हो गया हूं

● काशी में बोले पीएम, हर-हर महादेव से की भाषण की शुरुआत ● मोदी बोले-60 साल में किसी सरकार ने पहली बार लगाई हैट्रिक

वाराणसी (एजेंसी)। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी पहली बार काशी पहुंचे हैं। मंच पर एक किसान ने पीएम मोदी का स्वागत किया। इसके बाद पीएम ने 9.60 करोड़ किसानों को सम्मान निधि की 17वीं किस्त जारी की। उन्होंने 20 हजार करोड़ रुपए किसानों के खाते में डाले। जनता को संबोधित करते हुए कहा- चुनाव जीतने के बाद हम पहली बार हम बनारस आयल हई।

जनता जनार्दन के हमार प्रणाम, काशी के लोगों ने हमें लगातार अपना प्रतिनिधि चुनकर धन्य कर दिया है। अब तो मां गंगा ने मुझे गोद ले लिया है। मैं यहीं का हो गया हूं। पीएम ने कहा-60 साल में पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी सरकार ने पहली बार हैट्रिक लगाई है। इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा- किसानों के लिए पीएम की तड़प देखी है। मैं उनकी इस तड़प

को प्रणाम करता हूं। बीजेपी के लिए किसान भगवान हैं। पीएम ने कहा- माता-बहनों के बिना खेती की कल्पना संभव नहीं है। बहनों की भूमिका का विस्तार किया जा रहा है। कृषि सखी कार्यक्रम ऐसा ही एक प्रयास है। काशी में बनारस डेयरी संकुल की स्थापना हो। काशी और पूर्वांचल के किसान मजबूत हुए हैं। बनारस डेयरी ने पशु पालकों का भाग्य बदलने का काम किया। डेढ़ साल में पशु पालकों को अपने साथ जोड़ने जा रही।

पीएम मोदी अबकी श्रीनगर में मनाएंगे योग दिवस

'मन की बात' कार्यक्रम की भी फिर होगी शुरुआत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी इस साल योग दिवस के मौके पर श्रीनगर में होने वाले आयोजन में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम डल झील के पास ही स्थित शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर में आयोजित किया जाएगा। आयुष मंत्री प्रतापराव जाधव ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

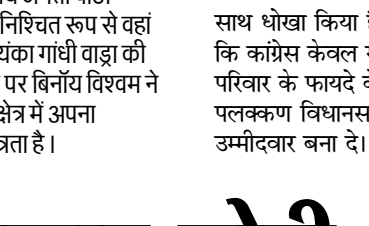

जाधव ने कहा कि इस बार योग दिवस की थीम है, योग स्वयं और समाज के लिए। जाधव ने कहा कि इस थीम का अर्थ है कि कैसे हम योग से खुद की आतंरिक शक्ति बढ़ा सकते हैं और समाज का भी कल्याण इससे संभव है। मंत्री ने कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक औक आध्यात्मिक विकास होता है। इसके अलावा समाज में भी सद्भाव को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी ने देश के सभी ग्राम प्रधानों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने अपील की है कि गांवों में हर व्यक्ति तक योग दिवस का संदेश पहुंचाया जाए और उन्हें हिस्सा लेने के लिए प्रेरित करें। यही नहीं इस दौरान उन्होंने दृष्टिहीनों के लिए ब्रेल लिपि में एक पुस्तक भी रिलीज की, जो योग पर आधारित है। यह पुस्तक बच्चों को योग सीखने और उसका अभ्यास करने में मदद करेगी।

मेइती और कुकी समुदायों से बात करेगी होम मिनिस्ट्री

● मणिपुर मामले पर गृहमंत्री अमित शाह ने बनाया खास प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि गृह मंत्रालय मणिपुर में जातीय विभाजन को पाटने के लिए जल्द से जल्द मेइती और कुकी दोनों समुदायों से बात करेगा। नई दिल्ली में अमित शाह ने एक उच्चस्तरीय बैठक में मणिपुर में

सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि पूर्वोत्तर राज्य में हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए। गृहमंत्री ने कहा कि यदि आवश्यकता हुई तो केंद्रीय बलों की तैनाती बढ़ाई जाएगी और राज्य में शांति एवं सौहार्द्र बहाल करने के लिए उन्हें रणनीतिक रूप से तैनात किया जाना चाहिए।

रोहित पवार का दावा-

हमारे संपर्क में एनसीपी के 19 से ज्यादा विधायक

मुंबई (एजेंसी)। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार ने सोमवार को दावा किया है कि एनसीपी (अजित गुट) के 19 विधायक उनके संपर्क में हैं। विधानसभा के मानसून सत्र के बाद वे पाला बदलने को तैयार हैं। रोहित ने कहा कि ये विधायक अभी पाला नहीं बदल सकते, क्योंकि ऐसा करने पर इन्हें मानसून सत्र का फंड नहीं मिलेगा। मानसून सत्र के बाद पार्टी सुप्रीमो और दादा

शरद पवार फैसला लेंगे कि इनमें से किसे पार्टी में लेना है और किसे नहीं। हालांकि, शरद पवार ने 15 जून को एमवीए की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि जो नेता पार्टी छोड़कर गए हैं, उन्हें वापस नहीं लेंगे। महाराष्ट्र विधानसभा का सत्र 27 जून से 12 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा की 288 सीटों पर अक्टूबर में चुनाव हो सकते हैं। महाविकास अघाड़ी (शिवसेना (यूबी), एनसीपी (शरद), कांग्रेस) साथ में चुनाव लड़ने का ऐलान कर चुका है।

बकरीद पर एलओसी पहुंचे पाक आर्मी चीफ कश्मीर का उठाया मुद्दा

● कहा-भारत कश्मीरियों पर जुल्म कर रहा

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर बकरीद के मौके पर सोमवार को एलओसी पहुंचे। यहां उन्होंने एक बार फिर से कश्मीर का राग अलापा है। पाकिस्तानी मीडिया जियो न्यूज़ के मुताबिक मुनीर ने कहा कि वे कश्मीरियों पर हो रहे अत्याचार कि निंदा करते हैं। पाकिस्तानी सेना के अधिकारियों को संबोधित करते हुए आर्मी चीफ ने कहा, भारत हाल ही में हुए

चुनावों के बाद से कश्मीर में अपने जुल्मों को छिपाने के लिए पाकिस्तान के खिलाफ झूठ फैला रहा है। यह भारत में अब एक पॉलिटिकल टूल बन गया है। मुनीर ने कहा कि पाकिस्तान हमेशा से कश्मीर में शांति की वकालत करता आया है। हम संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के प्रस्तावों के तहत शांति से इस मसले का हल निकालना चाहते हैं, लेकिन अगर पाकिस्तान की क्षेत्रीय अखंडता को कोई भी खतरा हुआ, तो हम इसका जवाब देने के लिए भी तैयार हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी फिलिस्तीन और कश्मीर में हो रहे अत्याचारों का जिक्र किया।

नीट में फ्रॉड करने वाला कोई डॉक्टर बना तो क्या होगा?

एनटीए पर फिर भड़का सुप्रीम कोर्ट, नोटिस जारी कर मांगा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीट-यूजी परीक्षा को लेकर छिड़े विवाद के बीच सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को फिर से तीखी टिप्पणी की। अदालत ने एनटीए

यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को फटकार लगाते हुए कहा कि यदि नीट परीक्षा में 0.001 फीसदी भी चूक हुई है या लापरवाही की गई है तो यह चिंता की बात है और उसकी विस्तार से जांच होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने कहा, परीक्षा कराने वाली एक एजेंसी के तौर पर आपको साफ-सुथरा रहना चाहिए। यदि कोई गलती है तो बताएं। यदि कोई गलती है तो फिर हम ऐक्शन लेंगे। कम से कम इससे आपके कामकाज में सुधार तो होगा। बेंच ने सरकार और एनटीए से यह भी कहा कि कल्पना कीजिए कि सिस्टम के साथ धोखाधड़ी करने वाला व्यक्ति डॉक्टर बन जाता है, वह समाज के लिए और भी ज्यादा खतरनाक है। इससे पहले 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह की टिप्पणी कर ऑल इंडिया प्री मेडिकल टेस्ट की परीक्षा रद्द की थी। तब कोर्ट का कहना था, एक भी फर्जी डॉक्टर बनता है तो पूरी परीक्षा रद्द होनी चाहिए। इस बात के सबूत हैं कि परीक्षा में इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज का इस्तेमाल हुआ है, लेकिन कितने स्टूडेंट्स ने इसका इस्तेमाल किया, ये नहीं कहा जा सकता।

प्रियंका गांधी को वॉकओवर नहीं देगी कम्युनिस्ट पार्टी

● वायनाड़ सीट से उम्मीदवार उतारने का पार्टी ने कर दिया ऐलान

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने मंगलवार को कहा कि वह वायनाड लोकसभा उपचुनाव में प्रियंका गांधी वाद्रा के खिलाफ अपना उम्मीदवार उतारेगी। भाकपा के प्रदेश सचिव बिनॉय विश्वम ने संवाददाताओं से कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) में शामिल भाकपा के पास वायनाड लोकसभा सीट है और उसका उम्मीदवार उपचुनाव में चुनाव लड़ेगा। उन्होंने कहा, इसमें संदेह क्या है। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) और वाम लोकतान्त्रिक मोर्चा (एलडीएफ) ऐसा कुछ नहीं करेंगे जो भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अनुकूल हो। हम निश्चित रूप से वहां अपना उम्मीदवार उतारेंगे। प्रियंका गांधी वाद्रा की उम्मीदवारी के बारे में पूछे जाने पर बिनॉय विश्वम ने कहा कि कांग्रेस को किसी भी क्षेत्र में अपना उम्मीदवार चुनने की पूरी स्वतंत्रता है।

प्रियंका की वायनाड से उम्मीदवारी पर हमलावर हो गई भाजपा, घेरा

● कांग्रेस को बताया गांधी और नेहरू परिवार का 'टूल', जमकर घेरा

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। राहुल गांधी ने अपनी जीती हुई दोनों सीटों में से वायनाड को छोड़ दिया है। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रेस कांफ्रेंस करके यह जानकारी दी और इसके साथ ही उन्होंने उपचुनाव के लिए वायनाड से प्रियंका गांधी को पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया। कांग्रेस के इस फैसले के बाद भाजपा हमलावर हो गई है। भाजपा की केरल ईकाई के अध्यक्ष के. सुरेन्द्रन और वरिष्ठ नेता वी. मुरलीधरन ने कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि कांग्रेस ने यह फैसला लेकर वायनाड की जनता के साथ धोखा किया है। बिना किसी संदेह के अब यह साबित हो गया है कि कांग्रेस केवल गांधी-नेहरू परिवार का निजी टूल है, जो केवल एक परिवार के फायदे के लिए काम करता है। अब हो सकता है कि कांग्रेस पलक्कण विधानसभा उपचुनाव के लिए अपने दामाद राबर्ट वाड्रा को उम्मीदवार बना दे।

रेलवे सुरक्षा आयुक्त करेंगे 'कंचनजंगा' दुर्घटना की जांच

● रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, कहा-गहन जांच की जाएगी

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के रंगापानी में सियालदह कंचनजंघा एक्सप्रेस में मालगाड़ी के पीछे से टक्कर मारने के कारणों की जांच रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने शुरू कर दी है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के लिए जिम्मेदार परिस्थितियों के दोहराव को रोकने के लिए उपाय किए जाएंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाले महत्वपूर्ण मार्ग पर रेल परिचालन बहाल करना रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है। अश्विनी वैष्णव ने सिलीगुड़ी में न्यू जलपाईगुड़ी स्टेशन के पास दुर्घटना स्थल पर बात की।

बहुत नाजुक है यह सरकार, छोटी सी गड़बड़ी से जल्द गिर जाएगी

राहुल गांधी का बड़ा दावा, चुनावी नतीजे आने के बाद दिया पहला इंटरव्यू

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली यह एनडीए सरकार बहुत ही नाजुक है। उन्होंने कहा है कि अपने तीसरे कार्यकाल में एनडीए की सरकार अस्तित्व के लिए संघर्ष कर सकती है। लोकसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद अपने पहले साक्षात्कार में, राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स को बताया कि 4 जून के फैसले के बाद भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में एक बड़ा बदलाव आया है। राहुल गांधी ने फाइनेंशियल टाइम्स से कहा,संख्या इतनी कम है कि उनकी स्थिति बहुत नाजुक हैं, और थोड़ी सी भी गड़बड़ी सरकार को गिरा सकती है...सहयोगियों को दूसरी तरफ मुड़ना पड़ सकता है। रायबरेली और वायनाड दोनों लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज करने वाले पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष गांधी ने कहा,यह विचार कि आप नफरत फैला सकते हैं, आप गुस्सा फैला सकते हैं और आप इसका लाभ उठा सकते हैं - भारतीय लोगों ने इस चुनाव में इसे खारिज कर दिया है। राहुल गांधी ने कहा, यही कारण है कि गठबंधन संघर्ष करेगा, उन्होंने कहा कि क्योंकि 2014 और 2019 में नरेंद्र मोदी के लिए जिन चीजों ने काम किया वह काम नहीं कर रहा है। विपक्ष के इंडिया ब्लॉक ने भविष्यवाणी से काफी बेहतर प्रदर्शन किया।

प्रियंका को चुनाव लड़ाकर कद कम करने की हो रही कोशिश

● आचार्य प्रमोद कृष्णम बोले-कांग्रेस को हिंदुओं पर भरोसा नहीं है

गाजियाबाद (एजेंसी)। प्रियंका इस चुनाव के बहाने लोकतंत्र में चुनावी राजनीति का आगाज करेंगी। कांग्रेस के पूर्व नेता प्रमोद कृष्णम ने अब इस फैसले को लेकर तंज कसा है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा,प्रियंका गांधी कांग्रेस में सबसे अधिक लोकप्रिय चेहरा हैं। उन्हें तो कांग्रेस का अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए लेकिन वह नई पारी की शुरुआत कर रही हैं। उपचुनाव में टिकट देकर उनके कद को छोटा करने की कोशिश की गई है। प्रियंका गांधी को कांग्रेस ने वायनाड से लड़वाकर एक बार फिर सिद्ध कर दिया है कि उन्हें हिंदुओं पर भरोसा नहीं है।

आसमां से बरस रही आग, भट्ठी बना हिन्दुस्तान

रिकॉर्ड पर पहुंचा तापमान, कहीं 44 तो कहीं 47 कर चुका पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम के सामान्य तापमान से छह डिग्री सेल्सियस अधिक है। भारतीय मौसम विभाग ने मंगलवार को आसमान सामान्यतः साफ रहने और लू के साथ भीषण गर्मी पड़ने तथा तेज हवा चलने का अनुमान जताया है। सुबह 8.30 बजे आर्द्रता 61 फीसदी दर्ज की गई। मौसम विभाग ने बताया कि मंगलवार को दिल्ली में अधिकतम तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है लेकिन यह 50 डिग्री सेल्सियस जैसी चुभन दे रहा है। दिल्ली के अलावा पंजाब, हरियाणा,राजस्थान, उत्तर प्रदेश, बिहार और झारखंड समेत देश के कई हिस्सों में तापमान रिकॉर्ड बना रहा है। कहीं तापमान 44 के पार तो कहीं 47 के पार दर्ज किया गया है। आईएमडी के ताजा बुलेटिन में कहा गया है कि

17 जून को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में अधिकतम तापमान 47.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 8.7 डिग्री ज्यादा है। टॉप 10 शहरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर बिहार का डेहरी ऑन सोन रहा, जहां अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 8.5 डिग्री ज्यादा है। दिल्ली के आयानगर में अधिकतम तापमान 46.4 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 8.0 डिग्री ज्यादा है। हरियाणा के रोहतक में अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 7 डिग्री ज्यादा है। राजस्थान के गंगानगर में 17 जून को अधिकतम तापमान 46.2 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 4.9 डिग्री ज्यादा है। इसके अलावा झारखंड के डाल्टेनगंज में सोमवार को अधिकतम तापमान 46.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 9.1 डिग्री ज्यादा है। पंजाब के अमृतसर में अधिकतम तापमान 45.8 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 7.6 डिग्री ज्यादा है। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में भी सामान्य से 5.1 डिग्री ज्यादा तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहां सोमवार को अधिकतम तापमान 45.1 डिग्री दर्ज किया गया। पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश के ऊना में भी अधिकतम तापमान 44.0 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 6.7 डिग्री ज्यादा है। जम्मू कश्मीर के जम्मू में अधिकतम तापमान 44.3 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जबकि उत्तराखंड के देहरादून में अधिकतम तापमान 43.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 9.5 डिग्री ज्यादा है।

मारपीट का मामला

केजरीवाल से लंबी लड़ाई के मूड में स्वाति मालीवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर अपने साथ हुई मारपीट मामले में स्वाति मालीवाल ने राहुल गांधी और शरद पवार को चिट्ठी

लिखकर मदद की गुहार लगाई है। मालीवाल ने विपक्षी इंडिया ब्लॉक के बाकी नेताओं को भी चिट्ठी लिखकर मिलने का समय मांगा है। स्वाति ने मंगलवार 18 जून को सोशल मीडिया पर राहुल और पवार को लिखा लेटर शेयर किया है। उन्होंने लिखा-मैंने पिछले 18 सालों से जमीन पे काम किया है।

संक्षिप्त समाचार

गायत्री जयंती का पावन पर्व मनाया गया

छपरा/दरियापुर, एजेंसी। गायत्री शक्तिपीठ ऋतंभरा प्रज्ञा आश्रम डेरनी में गायत्री जयंती का पावन पर्व काफी हर्षोल्लास व भक्तिमय वातावरण के साथ मनाया गया। प्रवाचक सदुरु मुकेश ऋषि ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि गायत्री जयंती सद्ज्ञान अवतरण का पावन महापर्व है।गायत्री को वेदमाता, देवमाता व विश्वमाता कहा जाता है। गायत्री वेदत्रयी हैं। गायत्री ऋषियों व देवताओं की उपास्या हैं। गायत्री भारतीय संस्कृति की जननी व यज्ञ भारतीय संस्कृति के जनक हैं। गायत्री जयंती की शुरुआत गुरु वंदना, साधनादिपवित्रिकरण, मंगलाचरण व षट्कर्म के साथ की गई। इसके बाद गुरु आवाहन, गायत्री आवाहन, सर्वदेव आवाहन, सर्वदेव नमस्कार तथा स्वस्तिवाचन किया गया। तत्पश्चात अग्नि स्थापना करके गायत्री महामंत्र से सर्व कल्याण की भावना से आहुतियां प्रदान की गई। वैदिक कर्मकांड सदुरु मुकेश ऋषि द्वारा संपन्न हुआ। कालीचरण प्रसाद, रेखा देवी, राकेश कुमार, भूषण कुमार , राजीव कुमार, रमेश कुमार, ललीता देवी, आरती देवी, किशोरी देवी, इंदू देवी, धनमंति देवी, आशा देवी, बेबी देवी, पूनम देवी आदि श्रद्धालु ने भाग लिया।

मढौरा में हुई चाकूबाजी में एक जखमी, केस दर्ज

छपरा/मढ़ौरा, एजेंसी। स्थानीय मुबारकपुर से भावलपुर से लौट रहे एक युवक के साथ कुछ लोगो मारपीट की और चाकू से हमला कर उसे जख्मी कर दिया। इस संबंध में पुलिस ने जख्मी युवक के लिखित बयान पर तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। जख्मी सचिन कुमार ने कहा है कि वे अपने दोस्त आदित्य के साथ मुबारकपुर से भावलपुर जा रहे थे। इस बीच मुबारकपुर मस्जिद के पास पहले से मौजूद हसनपुरा नयका टोला निवासी विक्की कुमार ,पिन्टू कुमार व राजेश महतो व अन्य दो तीन अज्ञात लोगों ने उन्हें घेर लिया और रंगदारी मांगने लगे। जख्मी ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी चाकू से उसके ऊपर हमला कर दिये। वह बुरी तरह घायल हो गया।

पेड़ काटने को ले मारपीट में छह लोग नामजद

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के राजधानी गांव में जामुन का पेड़ काटने के विवाद में पीड़ित कपिल सिंह ने स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराई है जिसमें धनेश्वर सिंह,विनोद सिंह,रामचंद्र सिंह,राहुल कुमार ,फूलकुमारी, राजंती देवी को नामजद किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मारपीट में तीन लोग घायल , एक रेफर

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के पचभिंडा गांव में हुई मारपीट में रूही खातून गम्भीर रूप से घायल हो गई हैं जिनको रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। अस्पताल में घायल नन्हे खान व भलुआ भिखारी के राजबलम राय का उपचार चल रहा है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मकान बनाने के विवाद में मारपीट ,आठ नामजद

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के नारायणपुर गांव में मकान बनाने के विवाद को लेकर हुई मारपीट के पीड़ित नंदकिशोर यादव ने स्थानीय थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कराकर राजकिशोर यादव,नवल किशोर यादव,बिभू कुमार यादव,विवेक कुमार,मालती देवी, निरमा देवी को नामजद किया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है ।

तपती गर्मी व हीट वेव से बढ़ा डायरिया का प्रकोप

छपरा/तरैया, एजेंसी। प्रखंड के विभिन्न गांवों में तपती गर्मी व हीट वेव के कारण डायरिया रोग का प्रकोप बढ़ गया है। रेफरल अस्पताल के वार्ड में प्रतिरोज पांच से छह मरीज डायरिया के भर्ती रहते हैं। सबसे अधिक मरीजों को शरीर में पानी की कमी हो जा रही है। साथ ही प्यास बढ़ना व शरीर में तनाव हो जा रहा है। इस अस्पताल से दूरी पर बसे गांवों के इस तरह के मरीज निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।

मार्ट मालिक समेत दो को मारी गोली: पांच अपराधी 6 राउंड फायरिंग कर हुए फरार

आरा(भोजपुर), एजेंसी। भोजपुर में सोमवार की रात गोलीबारी हुई। नमस्ते मार्ट के मालिक और एल्यूमीनियय दुकान स्टाफ को गोली लगी है। अपराधी पांच की संख्या में आएं थे और 6 राउंड फायरिंग कर फरार हो गए। मार्ट के मालिक को बाएं साइड पेट में और एल्यूमीनियय दुकान के स्टाफ को बाएं साइड बाह पर गोली लगी है। दोनों का बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। गोलीबारी का सीसीटीवी भी सामने आया है।

वारदात के बाद स्थानीय दुकानदार और लोगों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर जीरो माइल के समीप सड़क जाम कर दिया। टायर जलाकर आगजनी भी की गई। सड़क जाम के कारण सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी लाइन लग गई। आवागमन ठप हो गया।

सूचना पर सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार और उदवंतनगर थानाध्यक्ष राम कल्याण यादव पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। दुकानदार और स्थानीय लोगों से घटना की जानकारी ली। दुकान और आसपास के लगे सीसीटीवी को खंगाला। अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

सीसीटीवी में फायरिंग करते दिखे अपराधी

पूरी वारदात की सीसीटीवी में कैद हुई है। जिसमें देखा जा सकता है दो युवक बाइक से उतरे और दुकान की ओर जाने के बाद फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान दो लोगों को गोली लग जाती है। अपराधियों का चेहरा साफ दिख रहा है। जिसमें एक अपराधी काली टीश-र्ट और पैंट में है। मुंह पर मास्क भी लगाया है। जो दुकान के समीप आता है और बंदूक निकालकर गोली चलने लगता है। दूसरा चेहरा ढक कर दुकान की ओर फायरिंग करते हुए जाता है। जख्मियों में नवादा थाना क्षेत्र के मौलाबाग निवासी स्व. जग दयाल सिंह के 65 वर्षीय पुत्र सह नमस्ते मार्ट के मालिक सियाराम सिंह और स्टाफ चरपोखरी थाना क्षेत्र काउप गांव निवासी अजीत कुमार सिंह का 27 वर्षीय पुत्र पप्पू कुमार है। फायरिंग का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

आक्रोशित लोगों ने सड़क जाम कर की आगजनी

किसी प्रकार का विवाद और दुश्मनी नहीं

जख्मी नमस्ते मार्ट के मालिक सियाराम सिंह के बेटे राजीव कुमार ने बताया कि वे लोग दुकान पर काम कर रहे थे। तभी दो अलग-अलग बाइक पर सवार पांच हथियारबंद अपराधी दोनों दुकान पर आए और अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। दो लोगों को गोली लगी है। दुकान के आगे का ग्लास क्षतिग्रस्त हो गया। राजीव कुमार ने अपराधियों से किसी भी विवाद, दुश्मनी और रंगदारी मांगने से इनकार किया है।

सीसीटीवी को खंगाला जा रहा

सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने बताया कि सोमवार की शाम सूचना मिली कि उदवंतनगर थाना क्षेत्र के जीरो माइल स्थित दुकान पर गोली चली है। पहले सूचना मिली के एक युवक को गोली लगी है। फिर दूसरे युवक को भी गोली लगने की बात सामने आई। हम लोग इस घटना की जांच कर रहे हैं और आसपास के लगे सभी सीसीटीवी के फुटेज को भी खंगाल रहे हैं।

जिसने भी घटना को अंजाम दिया उसे छोड़ा नहीं जाएगा

सहायक पुलिस अधीक्षक ने कहा घटना को जिसने भी अंजाम दिया है उसे छोड़ नहीं जाएगा। 24 घंटे के लिए सुरक्षा भी प्रोवाइड कर रहे हैं। कल भी गोलीबारी की सूचना मिली थी। जिस पर पुलिस ने एक्शन भी लिया है और जो भी सीसीटीवी फुटेज हमे मिला था उसकी भी जांच की जा रही है। गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी की जा रही है। आज भी जिन लोगों ने गोली चलाई है। वह वही लोग हैं या किसी और गैंग के हैं। उसकी जांच की जा रही है।

दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया

सर्जन चिकित्सक डॉक्टर विकाश सिंह ने बताया कि जख्मी मार्ट के मालिक को गोली पेट के निचले हिस्से में गोली लगी थी। गोली लगने के कारण उनके पेशाब की थैली और बड़ी आंत पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। जबकि दूसरे जख्मी को बाएं हाथ में बांह पर गोली लगी। जो बाएं साइड सीने में जाकर फंस गई थी। तत्काल दोनों का ऑपरेशन कर बुलेट निकाल दिया गया है। डायमंड पार्ट्स को रिपेयर कर दिया गया है। हालांकि अभी दोनों लोगों को 72 घंटे तक ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा।

चोरी की बाइक के साथ दो नाबालिग सहित चार गिरफ्तार

किशनगंज , एजेंसी। किशनगंज के कोचाधामन प्रखंड सहित पूरे जिले में लोग बाइक चोरों के आतंक से काफी परेशान है। जिसमें कार्रवाई करते हुए कोचाधामन प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बिशनपुर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर चोरी हुई तीन बाइक को बरामद करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जिसके बाद सोमवार शाम पुलिस ने आरोपियों की मेडिकल जांच उपरांत उन्हें जेल भेज दिया गया है।

तीन बाइक बरामद : बिशनपुर थाना के थानाध्यक्ष रंजन कुमार ने बताया कि पुलिस ने चोरी की तीन बाइक को बरामद करते हुए मौके से आनंद कुमार रजक के बेटे प्रशांत कुमार रजक, (बिशनपुर निवासी), मोहम्मद हाशिम के बेटे येहतेशाम (हांडीभाषा निवासी) के साथ अन्य दो नाबालिग को हिरासत में ले लिया है साथ ही पुलिस कांड दर्ज करते हुए अग्रसर कार्रवाई में जुट गई है।

कजरैली में करंट से युवक की गई जान

भागलपुर/कजरैली, एजेंसी। थाना क्षेत्र के दराधीबहादुरपुर गांव में सोमवार दोपहर में सड़क किनारे लटके बिजली तार से स्पर्श से अरविंद कुमार सिंह (40) गंभीर रूप जख्मी हो गया। परिजन उसे लेकर मायागंज अस्पताल लेकर गये वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामले की सूचना पर पहुंची बरारी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। युवक के अचानक मौत से घर में कोहराम मच गया। युवक को एक बड़ी बेटी और दो बेटा है। घर के इकलौते कामगार के मौत से परिजनों के सामने भरण पोषण की समस्या खड़ी हो गई है।

साइबर ठगी का अनोखा मामला- ना ओटीपी, ना मैसेज; महिला के खाते से उड़ाए 53 लाख

अररिया, एजेंसी। बिहार के अररिया जिले से साइबर ठगी का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जिला मुख्यालय से सटे गैयारी गांव निवासी एक महिला के खाते से साइबर ठगों ने 53 लाख से ज्यादा की रकम उड़ा ली। चौंकाने वाली बात यह है कि महिला के फोन पर न तो कोई ओटीपी आया और ना ही खाते से रुपये कटने का कोई मैसेज मिला। महिला जब बैंक पहुंची और अपने खाते को चेक किया तो स्टेटमेंट देखकर उसके होश उड़ गए। पीड़ित महिला बीबी साहेब खातून बताई जा रही हैं, अब्दुल मन्नान आजादा एकेडमिक के प्राचार्य की पत्नी हैं। महिला जब अपने अकाउंट को अपडेट कराने बैंक पहुंचीं तो उन्हें साइबर ठगी का पता चला। इसके बाद उन्होंने बैंक अधिकारियों से इसकी शिकायत की और फिर साइबर थाना में मामला दर्ज कराया। खाताधारी पीड़ित बीबी साहेबा खातून ने पुलिस को बताया कि उनका खाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अररिया में है। चार दिन पहले वह बैंक गई थी और पासबुक में बचत राशि की जानकारी ली तो पाया कि उनके खाते से अलग-अलग तारीखों में कुल 53 लाख 14 हजार 520 रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़िता ने पुलिस को उन सभी खातों के नंबर भी बताए हैं, जिनमें उनके अकाउंट से राशि ट्रांसफर की गई।

पुलिस अधिकारी बता ठग लिए 103 करोड़, विदेशी खातों में लेनदेन, 6 गिरफ्तार

साइबर एक्सपर्ट का कहना है कि जालसाजों को ओटीपी देने या उनके भेजे हुए लिंक को क्लिक किए बिना पैसा अकाउंट से नहीं निकल सकता है। खाताधारी ने इनमें से कोई एक गलती जरूर की होगी। पीड़िता ने साइबर ठगों को या तो ओटीपी दिया होगा या उनके द्वारा भेजे गए लिंक पर क्लिक किया होगा। ऐसा करने पर ही साइबर ठगों के पास ग्राहकों का फोन रिमोट पर जाता है और वे खाते से पैसे निकाल सकते हैं।

बंगाल रेल हादसा: बिहार के अनिल कुमार थे मालगाड़ी के लोको पायलट, ट्रेनों की टक्कर में हुई मौत

पटना, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के न्यूजलपाईगुड़ी स्टेशन से करीब 30 किलोमीटर दूर रंगापानी स्टेशन के पास सोमवार की सुबह पौने 9 बजे के करीब एक मालगाड़ी ने कंचनजंगा एक्सप्रेस में पीछे से टक्कर मार दी. इस रेल हादसे में आधा दर्जन से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि की गयी है जबकि तीन दर्जन से अधिक लोग जख्मी हैं. वहीं इस रेल हादसे में बिहार के बख्तियारपुर निवासी लोको पायलट की भी मौत हो गयी. मृतक के परिजनों में कोहराम मचा है.

सिटीआई इंचार्ज विवेक कुमार गुप्ता लगातार फोन पर और वहां पहुंचे परिजनों को जानकारी दे रहे थे.

रेल हादसे में बख्तियारपुर निवासी लोको पायलट की हुई मौत

कंकचजंघा एक्सप्रेस के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटना में बख्तियारपुर बाइपास निवासी लोको पायलट सियाशरण प्रसाद के पुत्र अनिल कुमार (42वर्ष) की मौत हो गयी. अनिल कुमार की मौत की सूचना मिलने के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. ग्रामीणों के अनुसार अनिल अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ जलपाईगुड़ी में ही रहते थे. वह पांच भाई- बहनों में दूसरे नंबर पर थे.

हेल्पडेस्क से दी जा रही थी जानकारी

दुर्घटनाग्रस्त कंचनजंघा ट्रेन को लेकर किशनगंज रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की जानकारी देने के लिए रेलवे द्वारा हेल्प डेस्क बनाया गया था. हेल्प डेस्क में यात्रियों के परिजनों को यात्रियों की जानकारी के साथ साथ कई ट्रेनों के डाईवर्ट रूट की जानकारी दी जा रही थी. हेल्प डेस्क में

किशनगंज के 12 यात्री कर रहे थे सफर, सभी सुरक्षित

रिजर्वेशन सूची के अनुसार कंचनजंगा एक्सप्रेस में 12 यात्री किशनगंज तक की यात्रा कर रहे थे. दीपांकर दास (42 वर्ष) गुवाहाटी से किशनगंज, दीप केसरी (30 वर्ष) गुवाहाटी से किशनगंज, पूजा केसरी (उम्र 28) गुवाहाटी से किशनगंज, दिपेंदु भौमिक (उम्र 33) अगरतला से किशनगंज, प्रसनजीत देव (उम्र 47) गुवाहाटी से किशनगंज, माधवी देव (उम्र 75) गुवाहाटी से किशनगंज, दिलीप चौहान (उम्र 45) धर्मनगर से किशनगंज, सुबीर सील (उम्र 60) धर्मनगर से किशनगंज, प्रशंता दास (उम्र 39) अगरतला से किशनगंज की यात्रा कर रहे थे.

रास्ते के विवाद में दो महिलाओ को पीटा,एक रेफर

छपरा/तरैया, एजेंसी। थाना क्षेत्र के छपिया बिंदटोली गांव में घर में जाने के लिए रास्ते के विवाद में दो महिलाओं को मारपीट कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया गया है। घायल अंशु कुमारी को सरकारी अस्पताल में उपचार कर छपरा सदर अस्पताल में रेफर कर दिया गया है। वहीं मूर्ति देवी का इलाज चल रहा है। घटना की सूचना पाकर स्थानीय थाना पुलिस टीम पहुंचकर मामले की छानबीन कर रही है।

चचेरे भाइयों की मारपीट में पांच लोग जख्मी, बीच-बचाव में आई महिला को भी पीटा

ससुराल को लेकर आपस में हुआ विवाद

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बेझाडीह पोरबंदर मोहल्ला में पट्टीदारों में मारपीट हो गई। चचेरे भाई के ससुराल जाने को लेकर विवाद हुआ था। मारपीट में दोनों ओर से पांच लोग जख्मी हो गए। एक पक्ष से तीन और दूसरे पक्ष से दो लोग घायल हुए हैं। सभी को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जख्मियों में एक पक्ष से मोहम्मद वायुद, मोहम्मद नईम और एक महिला शामिल है। दूसरे पक्ष से मोहम्मद सद्दाम और मोहम्मद रुस्तम है।

बीच-बचाव में आई महिला को भी पीटा

घटना के संबंध में मोहम्मद वायुद ने बताया कि मैं अपने ससुराल गया हुआ था। जब मैं ससुराल से सोमवार देर शाम लौटा तो उसके चचेरे भाई मोहम्मद सद्दाम ने पूछा कि तुम ससुराल क्यों गया था। इसी बात को लेकर विवाद हो गया। इसके बाद मोहम्मद सद्दाम और उसका भाई मोहम्मद रुस्तम मौके पर पहुंचे। मेरे साथ मारपीट करने लगे। बीच-बचाव करने पहुंचे मोहम्मद नईम और घर की एक महिला के साथ भी मारपीट की गई।

दूसरे पक्ष के मोहम्मद रुस्तम का कहना है कि मैं रास्ते से जा रहा था। इसी दौरान शोर सुनकर रुका तो मोहम्मद वायुद, मोहम्मद नईम आदि ने हमला बोल दिया। जिसमें दोनों भाई गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इस दौरान मारपीट की सूचना पर आसपास के लोगों की भीड़ जुटी तो बीच बचाव कर सभी को सदर अस्पताल पहुंचाया है।

आपसी विवाद में मारपीट हुई

मुफस्सिल थाना अध्यक्ष इंस्पेक्टर पिंकी प्रसाद ने बताया कि आपसी विवाद को लेकर चचेरे भाइयों के बीच मारपीट की घटना सामने आई है। पुलिस को मौके पर भेजा गया। प्राथमिकी दर्ज की जाएगी।

बिजली की शार्ट सर्किट से लगी आग, एक घर जलकर हुई राख

भागलपुर/नवगछिया, एजेंसी। खरीक थाना क्षेत्र के तेलघी गांव में रविवार की देर रात बिजली की शार्ट सर्किट से आग लग गई। जिसमें मुन्ना सिंह के घर में रखे अनाज, नगदी, फर्नीचर समेत सारा घरेलू उपयोगी समान जलकर राख हो गया। घटना की जानकारी पर पहुंचे ग्रामीणों और की दमकल टीम ने काफी मशक्कत के बाद आग पर किसी तरह काबू पाया गया। वहीं, पूर्व सरपंच सुमित कुमार, उप सरपंच पप्पू सिंह, गुलशन कुमार आदि ने बताया कि पीड़ित परिवार के शरीर पर पहना कपड़ा छोड़ कर सब कुछ आग की भेंट चढ़ गया।

STONE CLINIC MOTIHARI

स्टोन क्लिनिक मोतिहारी

शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

13 जुलाई को होगा राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

• राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने की बैठक

जिला एवं सत्र न्यायाधीश देवराज त्रिपाठी की अध्यक्षता में अपर मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी-सह- सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार राजेश कुमार दुबे की उपस्थित में आगामी 13 जुलाई को होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बानने के लिए जिला के वरीय अधिवक्ता एवं बीमा कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ बैठक की गई। सचिव डालसा राजेश कुमार दुबे ने बताया कि बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकार पटना के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार, मोतिहारी के तत्वाधान में दिनांक 13.07.2024 को पूर्वाह्न 10:00 बजे से राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन व्यवहार न्यायालय परिसर मोतिहारी में किया जायेगा जिसमें सुलहनीय वादों का निष्पादन आपसी समझौते के आधार पर किया जायेगा। सुलहनीय वादों यथा आपराधिक मामले दिवानी मामले, दुर्घटना बीमा दावा, पारिवारिक विवाद, श्रम विवाद, भू-अधिग्रहण, राजस्व बिजली पानी एवं अन्य विपत्र से संबंधित एनआई एक्ट 138 के अन्तर्गत दर्ज केस, बैंक ऋण, कर्मचारियें के वेतन एवं पेंशन से संबंधित विवादित मामलों का निपटारा सुलह- समाझौते के आधार पर किया जायेगा। संबंधित पक्षकार इस अवसर का लाभ उठाते हुए अपने विवादों को राष्ट्रीय लोक अदालत में बिना खर्च बिलकुल मुफ्त में तत्काल समाप्त करा सकते हैं। जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि बीमा कंपनियों के पदाधिकारी ऐसे सभी मामलों को राष्ट्रीय लोक अदालत में लाये ताकि इसका निःशुल्क समाधान किया जा सके। पदाधिकारी आपस में समन्वय बनाकर एवं लक्ष्य निर्धारित कर कार्य करेंगे तो अधिक से अधिक वादो को सुलह कराने में सहुलियत रहेगी। जिला के वरीय अधिवक्तागण को राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने में सहयोग करने की बात कही गई। बैठक में जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा सचिव डालसा के साथ वरीय अधिवक्ताता एवं बीमा कंपनियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

19 जून से भराएगा स्नातक तृतीय खंड सत्र 2021- 24 का परीक्षा फॉर्म

बीएनएम। मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज में बीआरएबीयू,मुजफ्फरपुर के पत्रांक C/2201 दिनांक 14/6/24 के आलोक में त्रिवर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम सत्र 2021 - 24 खंड तृतीय के विद्यार्थियों का परीक्षा प्रपत्र 19 जून से 29 जून तक भरा जायेगा। कॉलेज के प्राचार्य प्रो (डॉ) राजेश कुमार सिन्हा ने बताया कि 200 रुपए विलंब शुल्क के साथ भी 30 जून से 5 जुलाई तक परीक्षा प्रपत्र भरा जा सकता है। मीडिया प्रभारी डॉ प्रभाकर कुमार ने विद्यार्थियों से अपील किया कि भयंकर गर्मी के कारण शुरुआती दिनों में ही फॉर्म भरना श्रेयस्कर है। अंतिम दिनों में काफी भीड़ हो जाती है।

सुमौती नदी में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत

बीएनएम। मोतिहारी। जिले के कल्याणपुर थाना क्षेत्र स्थित बखरी पंचायत के वार्ड नंबर 13 में सुमौती नदी में डूबने से सगे भाई-बहन की मौत हो गई। घटना सोमवार शाम की है। मृतकों की पहचान बखरी निवासी राजू साह की पुत्री सोनी कुमारी (10) व पुत्र संजीत कुमार (08) के रूप में हुई है। मिली जानकारी के मुताबिक राजू साह के दोनों बच्चे सुमौती नदी के किनारे खेलने गए थे। खेलने के बाद दोनों नदी में स्नान करने उतर गये, जहां दोनों गहरे पानी में चले गये और डूबने लगे। दोनों को डूबते देख साथ गए बच्चों के शोर मचाने के बाद ग्रामीणों ने दोनों को बाहर निकाला और आनन-फानन में स्थानीय पीएचसी ले गए, जहां से डॉक्टरों ने मोतिहारी रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान दोनों की मौत हो गई। कल्याणपुर थानाध्यक्ष जीतेन्द्र कुमार ने बताया कि सूचना के बाद दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर घटना की जांच की जा रही है।

जिले के हाथी पाँव के मरीजों को एमएमडीपी किट में मिलेगी एक विशेष प्रकार का चप्पल

• 19 लाख रूपये लागत के 3800 किट की हो चुकी है डिमांड,1513 किट हो चुके है प्राप्त
• हाथी पाँव के मरीजों को चलने में होगी अब सुविधा

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के फाइलेरिया (हाथी पाँव) के मरीजों को एमएमडीपी किट में एक विशेष प्रकार की चप्पल मिलेगी जिससे हाथी पाँव के मरीजों को चलने मे अब काफ़ी आसानी होगी। लेप्रा संस्था के द्वारा हाथीपांव से ग्रसित फाइलेरिया मरीजों के लिए पहली बार एमएमडीपी किट में विशेष प्रकार का चप्पल शामिल किया गया है। उक्त चप्पल का निर्माण फाइलेरिया से ग्रसित हाथीपांव के मरीजों के स्वास्थ्य लाभ को देखते हुए किया गया है। जिले में 19 लाख लागत के 3800 किट की डिमांड की जा चुकी है जिसमें 1513 किट जिला फाइलेरिया कार्यालय को उपलब्ध हो चुका है। जिले के वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने बताया की एमएमडीपी किट से फाइलेरिया से ग्रसित मरीजों के प्रभावित अंगों की देखभाल में आसानी हो जाती है, इसके उपयोग व व्यायाम से सूजन में कमी आती है।उन्होंने बताया की फाइलेरिया मरीजों की इलाज सभी 27 पीएचसी के फाइलेरिया क्लिनिक पर इलाज हेतु दवाए उपलब्ध है। उन्होंने बताया की लाइन लिस्टिंग के अनुसार जल्द ही हाथी पाँव के मरीजों के बीच किट वितरित की जाएगी।वहीं फाइलेरिया (हाइड्रोसील मरीजों) का निःशुल्क ऑपरेशन कराया जाएगा।उन्होंने बताया की सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च संस्था द्वारा जिले में बनाए फाइलेरिया पेशेंट नेटवर्क के सदस्यों का फॉलोअप किया जाएगा साथ ही जिनको किट प्राप्त नहीं हुआ है उन्हें भी उपलब्ध कराया जाएगा। जिले में 8628 फाइलेरिया मरीज है। जिनमें 1566 हाथी पाँव के मरीज है जिनमें 18 मरीजों का अनुमण्डलीय अस्पताल चकिया एवं सदर अस्पताल मोतिहारी में ऑपरेशन कराया जा चुका है।वर्ष 2024 मार्च महीने तक कुल 2270 एमएमडीपी किट वितरित किए है।

नाइट ब्लड सर्वे में होती है लोगों में छिपे हुए फाइलेरिया परजीवी की पहचान- जिला भीबीडीसीओ डॉ. शरत चंद्र शर्मा ने कहा कि फाइलेरिया(हाथी पाँव) एक गंभीर रोग है जो मादा क्यूलेक्स मच्छर के काटने से फैलता है। आमतौर पर फाइलेरिया के लक्षण शुरू में स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं देते। इसके लक्षण आने में कभी कभी सालों लग जाते है। प्रायः फाइलेरिया मरीजों में बुखार, बदन में खुजली व सूजन की समस्या दिखाई देती है। इसके अलावा पैरों और हाथों में सूजन, हाथीपांव और अंडकोषों की सूजन, फाइलेरिया के लक्षण हैं। फाइलेरिया हो जाने के बाद धीरे-धीरे यह गंभीर रूप लेने लगता है। इससे बचाव के लिए विभाग द्वारा जिले में नाइट ब्लड सर्वे कराया जाता है ताकि लोगों में छिपे हुए फाइलेरिया परजीवी की पहचान हो सकें, उन्होंने बताया की सर्वे के समाप्त होने के बाद बिहार के फाइलेरिया से प्रभावित जिलों में 10 फ़रवरी से सर्वजन दवा सेवन कार्यक्रम संचालित किया जाता है।

मोदी सरकार ने 10 साल में किसानों के खाते में दिया सवा तीन लाख करोड़:गिरिराज सिंह

बीएनएम। मोतिहारी

मोदी सरकार किसानों की हितैषी है,जिसने अपने विगत 10 साल के कार्यकाल में सवा तीन लाख करोड़ रुपये किसानों के खाते में दिया है। मक्का का एमएसपी आठ रुपये से बढ़ाकर 22 रुपये करने का काम किया है। किसानों को केसीसी के मामले में सात लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 20 लाख करोड़ रुपये करने का काम किया है। मोदी सरकार ने पंडित दीनदयाल के सपनों को पूरा किया है। आप सभी जिस स्थान पर है वह आज कृषि धाम बन गया। यह सब देखकर मुझे अफसोस है कि मैं भी मोतिहारी का किसान होता। उक्त बाते केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने पीपरा कोठी स्थित केविके परिसर में पीएम मोदी द्धारा बनारस में किसान सम्मान निधि के 17वीं किस्त जारी करने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि पूर्व पीएम राजीव गांधी कहते थे कि मैं एक रुपया भेजता हूं तो नीचे तक मात्र 15 पैसे ही पहुंच पाते हैं जबकि मोदी सरकार के कार्यकाल में सीधे लाभुकों के खाते सौ फीसदी राशि पहुंचती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने किया जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार कपड़ा उद्योग मंत्री गिरिराज सिंह थे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह, कुलपति डा पीएस पांडेय, विधायक प्रमोद कुमार, श्यामबाबू यादव व केविके प्रमुख डा अरविंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस ने हिन्दू दलित के आरक्षण को काटकर मुस्लिमो को देने का काम किया है। पिछले लोकसभा चुनाव में देशभर में संविधान बदलने के नाम पर अफवाह फैलाकर सनातनियों को कमजोर करने का काम किया गया। उन्होने कहा कि देश को विकसित बनाने के लिए किसानों को मजबूत करना जरूरी है।वही पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने कहा कि गांव, गरीब और किसान का विकास मोदी की पहली प्राथमिकता है।मुठ्ठीभर लोगों के हांथों जो सुख सुविधा कैद थी उसे मोदी सरकार घर घर पहुंचाने का काम किया है। छोटी जोत के किसानों को प्रति वर्ष छः हजार रुपये दिया गया। आज सत्रहवीं क़िस्त में इस जिले के चार लाख 44 हजार 495 किसानों के खाते में 91.46 करोड़ सीधा उनके खाते में डाले जाएंगे। मौके पर विधायक श्यामबाबू यादव, प्रमोद कुमार,केविके प्रमुख डा अरविंद कुमार सिंह,पीडीडीयू वानिकी एवं उद्यानिकी महाविद्यालय के डीन डा रमेश कुमार झा सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व किसान मौजूद थे।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

मिनीगन फैक्ट्री का सफल उद्भेदन एवं 975 बोतल कोरेक्स बरामद

बीएनएम। सहरसा

जिले के पतरघट थाना क्षेत्र अंतर्गत पामा पहाडपुर गगोत टोला वार्ड नंबर 16 में चल रहे मिनी गन फैक्ट्री का उद्भेदन कर दो लोगों को गिरफ्तार किया गया,जिसके पास से निर्मित एवं अर्द्धनिर्मित हथियार एवं अन्य उपकरण बरामद किया गया।वही 97 लीटर से अधिक कोरेक्स कफ सिरप, एक क्रेटा कार भी बरामद किया गया है। इस बाबत सदर एसडीपीओ आलोक कुमार नें मंगलवार को सदर थाना में प्रेस वार्ता कर इसकी जानकारी दी।पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि पुलिस अधीक्षक कें निर्देशन में अपराधियों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने बताया कि पतरघट थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि पतरघट थाना कांड संख्या-489/22 एवं 323/23 के फिरार अभियुक्त राजेश मंडल फिर से पतरघट थानान्तर्गत ग्राम पहाडपुर गगोत टोल वार्ड नम्बर-16 में देवकी मंडल के घर पर देवकी मंडल लडका के साथ अवैध हथियार का निर्माण कर रहा है। उक्त सूचना पर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, सदर के नेतृत्व में पतरघट पुलिस एवं पस्तपार पुलिस के साथ टीम बनाकर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में मिनीगण फैक्ट्री का उद्भेदन किया गया। साथ बनाने वाला औजार के साथ दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया।साथ ही पूर्ण निर्मित, अर्धनिर्मित हथियार एवं हथियार बनाने के औजार बरामद किया गया।इस संबंध में पतरघट थाना में आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान दो देशी कट्टा, दो बैरल,एक इलेक्ट्रीक कटर,एक छोटा लेथ मशीन,एक हेक्सा ब्लेड,एक फाईल एवं अर्धनिर्मित पार्ट्स बरामद किया गया।वही राजेश मंडल, पिता-गजेन्द्र मंडल,सिन्टू मंडल, पिता-देवकी मंडल का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है। इसपर कई आपराधिक मामले दर्ज है। बताया गया कि पुलिस के द्वारा जिला में अवैध शराब का सेवन निर्माण, बिक्री, मण्डारण, एवं परिवहन को रोकने तथा शराब तस्करों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई हेतु विशेष सर्च अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में पस्तपार थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली कि एक काला रंग का क्रेटा गाड़ी जिसका रजि बी आर 19-एल-5868 है। जो अवैध कोरेक्स लेकर गवालपाडा मधेपुरा की ओर से पस्तपार की तरफ आ रहा है। सूचना मिलते ही पस्तपार थानाध्यक्ष एवं अन्य पुलिस पदाधिकारी,कर्मी के द्वारा मधेपुरा-पस्तपार सीमा पर वाहन चेकिंग लगाया गया। वाहन जॉच के क्रम में एक क्रेटा कार काफी तेजी से आते देख उसे रुकने का इशारा किया तो वाहन चालक के द्वारा गाडी को तेजी से भगाने लगा, जिसका पुलिस वाहन से पीछा किया गया तथा सहयोग हेतु पतरघट थाना को भी सूचीत किया गया।उक्त क्रेटा कार में सवार व्यक्ति पस्तपार थाना क्षेत्र अन्तर्गत रहुआ हसान टोल गांव के थोडा पहले एक पीपल गाछ के पास गाड़ी को रोककर उसमें से चार व्यक्ति काफी तेजी से उतरकर फरार हो गए।वही गाड़ी में से उजला रंग का चार बोरा जिसमें कुछ समान था उसे पीपल गाछ के पास गढ़ा में फेक दिया। फेके हुए समान की देखरेख के लिए पतरंघट पुलिस पीपल गाछ के पास ही रूक गयी। उक्त क्रेटा कार में सवार व्यक्ति गाड़ी से पुनः भागने लगे तत्पशचात् पस्तपार थानाध्यक्ष के द्वारा पीछा किया गया लेकिन पस्तपार थाना क्षेत्र अन्तर्गत रहुआ हसान टोल गांव में किसी घर के पास गाड़ी क खड़ा कर सवार चारों व्यक्ति गली कुच्ची का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। इस संबंध में पस्तपार थाना में बिहार मधनिषेध एन उत्पाद अधि०-2022 संशोधित मामला दर्ज किया गया।वही फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है।इस अवसर पर कोडिन युक्त कफ सिरफ-975 पीस कुल मात्रा-97.500 लीटर एवं एक कार बरामद किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

मुद्रांक विक्रेता के निधन पर शोक

बीएनएम। केसरिया। मुद्रांक विक्रेता रवींद्र प्रसाद का सोमवार को निधन हो गया। केसरिया देवीगंज निवासी स्व प्रसाद लम्बे समय से बीमार चल रहे थे। उनके निधन पर निबंधन कार्यालय में कार्यरत सभी मुद्रांक विक्रेता, कातिब एवं कार्यालय कर्मियो ने शोक व्यक्त किया है। मुद्रांक विक्रेता संघ के अध्यक्ष लक्ष्मीकांत मिश्रा, विपिन बिहारी प्रसाद, शम्भू शरण प्रसाद, वसीम अहमद एवं कातिब संघ के अध्यक्ष वीरेंद्र यादव, बबन प्रसाद, शंकर यादव, महेंद्र राम, बिट्टू कुमार समेत अन्य लोगों ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

लालपरसा गांव में पुलिस ने एक विवाहिता का शव किया बरामद

पुलिस घटना की जांच पड़ताल में जुटी

बीएनएम। सुगौली। थाना क्षेत्र के सुकुल पाकड़ पंचायत स्थित लालपरसा गांव में एक विवाहिता का शव पुलिस ने बरामद किया है।घटना मंगलवार की सुबह की बताई जाती है। जानकारी के मुताबिक लालपरसा गांव निवासी मुकेश पटेल की पत्नी रीता का शव पुलिस ने संदेहास्पद स्थिति में घर से बरामद किया है। ड्यूटी ऑफिसर सुनिल कुमार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया। उन्होंने घटना कि पुष्टि करते हुए बताया कि मौके पर पुलिस को मृतका का शव जमीन पर रखा हुआ मिला। जिसके बाद घटनास्थल की जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा दिया गया है।घटना के कारणों का पता पोस्टमार्टम के बाद ही पता चल पायेगा।

दो मोबाइल झपटमार रंगे हाथ गिरफ्तार

बीएनएम। रक्सौल। रक्सौल में मोबाइल छीनते दो चोर को रेल पुलिस ने रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर अपने ट्रेन का इंतजार करते यात्री रामजी प्रसाद बैठे हुए थे तभी दो झपटमार उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया और भागने लगे। रामजी प्रसाद के चिल्लाने वह हल्ला करने पर प्लेटफार्म पर तैनात रेल पुलिस कर्मी ने दोनों झपटमार को रंगे हाथ दबोच कर गिरफ्तार किया। दोनों झपटमार की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के नयकाटोला निवासी आमिल मियां का 20 वर्षीय पुत्र समीर हुसैन वह दूसरा इसी गांव निवासी लालबाबू साह के 20 वर्षीय पुत्र राकेश कुमार है। साथ ही उसके जेब का जांच करने पर एक और चोरी का मोबाइल बरामद किया गया। लोरिया निवासी रामजी प्रसाद ने बताया कि अपनी माता का इलाज कराने आए हुए थे। इलाज करवा कर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे तभी दो युवक मेरे हाथ से मोबाइल छीन कर भागने लगे तब तक पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। वही जीआरपी थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कागजी कारवाई कर कांड संख्या 32/24 दर्ज कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

रक्सौल रेलवे स्टेशन से एक शव बरामद

बीएनएम। रक्सौल। रक्सौल में रेलवे प्लेटफार्म से एक अज्ञात व्यक्ति का सब बरामद किया गया है। विदित हो कि एक सप्ताह में या छठा शव मिला है, शव रेलवे प्लेटफार्म संख्या 2 से बरामद किया गया। रेलवे प्लेटफार्म पर गश्ती करते रेल पुलिस जब फर्श पर पड़े एक अधेड़ व्यक्ति को देखा और जांच किया तो उक्त व्यक्ति की मौत हो चुकी थी।वही रक्सौल जीआरपी थानाध्यक्ष पवन कुमार ने बताया कि यात्री की पहचान नहीं हो सकी है वही जेब में ना तो टिकट था और ना ही कोई पहचान पत्र जिससे मृत व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि पुलिस व्यक्ति की पहचान में लगी हुई है, जबकि शव को पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेजा जा रहा है। बता दे की एक सप्ताह में अब तक 6 शव को बरामद किया जा चुका है इस तरह से लगातार शव की बारामती होने से लोग भयभीत है, स्थानीय लोग अनुमान लगा रहे हैं कि इन दिनों बढ़ती गर्मी से लोगों की जान जा रही है।

राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस को लेकर एबीवीपी की बैठक आयोजित

बीएनएम। सहरसा

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में आगामी कार्य योजना निमित मंगलवार को बैठक का आयोजन किया गया ।बैठक को संबोधित कर प्रवास पर आए उत्तर बिहार राज्य विश्वविद्यालय कार्य संयोजक कन्हैया कुमार ने कहा कि हम सभी छात्र हित और राष्ट्र हित से जुड़े प्रश्नों को प्रमुखता से उठाते है और देश व्यापी आंदोलनों का नेतृत्व करते है।आज संगठन से जुड़े रहे लोग समाज-जीवन के हर क्षेत्र में सक्रिय हैं और अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। हम सभी कार्यकर्ताओं को संगठन पद्धति को पालन करते हुए आगामी तय सभी कार्यक्रम को करते हुए अपने इकाई की अलग पहचान कैसे बने इस पर ध्यान देना चाहिए । उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस यानी 9 जुलाई अपना महत्पूर्ण कार्यक्रम हैं इसकी तैयारी हम अभी से शुरू करे और यह कार्यक्रम कॉलेज इकाई के साथ हर नगर इकाई में हो इसका विशेष ख्याल रखना हैं । बैठक में कुल 16 बिंदु पर चर्चा हुआ । इस बैठक का नियंत्रक जिला संयोजक कृष्णकांत गुप्ता ने किया । बैठक में प्रांत विधि कार्य संयोजक मोनू झा, विभाग संयोजक गौरव ठाकुर,नगर मंत्री अंशु कुमार,नगर एसएफएस संयोजक प्रिंस सिंह,आर एम कॉलेज मंत्री रितेश मिश्र, एसएनएसआरकेएस कॉलेज मंत्री कृष्णा कुमार, आर एम कॉलेज उपाध्यक्ष देवेश कुमार,कॉलेज उपाध्यक्ष अभिषेक कुमार,वरुण गुप्ता ,निरंजन झा,देवेश भारती,सौरव कुमार,आनंद गुप्ता, गणेश कुमार,नंदन कुमार सहित अन्य मौजूद थे।

आपसी विवाद में चली गोली, किसी के घायल या हताहत होने की सूचना नहीं

मौके पर पहुंची पुलिस कर रही है छानबीन

बीएनएम। सुगौली: थाना क्षेत्र के मधुमालती गांव में आपसी विवाद में गोली चली है।घटना मंगलवार की देर शाम की बताई जाती है।जानकारी के मुताबिक गोली चलने की घटना में किसी प्रकार की क्षति की सूचना नहीं है। सूत्रों के मुताबिक घटना स्थल पर स्थानीय पुलिस पहुंच कर घटना के कारणों की जांच-पड़ताल कर रही है। स्थानीय थाने से दूरभाष द्वारा संपर्क करने का प्रयास किया गया लेकिन संपर्क नहीं हो पाया

पूर्व विधायक बीमा भारती के बेटे की गिरफ्तारी के लिए पटना स्थित आवास पर पुलिस की छापेमारी

बीएनएम। पटना। पूर्व विधायक बीमा भारती के पटना स्थित आवास पर पुलिस ने छापेमारी की। पुलिस पूर्णिया के भवानीपुर में दो जून को व्यवसायी गोपाल यादुका की दिनदहाड़े हुई हत्या मामले में बीमा भारती के बेटे को गिरफ्तार करने पहुंची थी लेकिन उनका बेटा वहां नहीं मिला। पुलिस के अनुसार बीमा भारती के पुत्र राजा कुमार ने ही व्यवसायी की हत्या के लिए पांच लाख की सुपारी दी थी। इस मामले में मंगलवार सुबह पटना स्थित बीमा भारती के आवास पर रुपौली थाना की पुलिस पहुंची।धमदाहा एसडीपीओ संजीव गोल्डी ने बताया कि पूर्व विधायक के पुत्र का नाम सामने आया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।इस मामले में गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ जारी है। भवानीपुर थानाध्यक्ष सुनील कुमार के मुताबिक जमीन ब्रोकर संजय भगत भी हिरासत में लिया गया है। बीमा भारती ने पूरे मामले में उनके बेटे को फंसाने की बात कही है। इसके पहले रुपौली में होने वाले विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजद से टिकट पाने के लिए बीमा ने राजद सुप्रीमो लालू यादव और तेजस्वी यादव से आज मुलाकात की। इसके कुछ घंटे बाद ही उनके आवास पर पुलिस ने धावा बोला।

रक्सौल रेलवे स्टेशन पर मोबाइल छीनकर भाग रहे दो झपटमार गिरफ्तार

बीएनएम। रक्सौल

रक्सौल रेल पुलिस ने मोबाइल छिनतई करते दो झपटमारों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर अपने ट्रेन का इंतजार करते यात्री रामजी प्रसाद से इन दोनो झपटमारो ने मोबाइल छीन भागने लगे। जिसके यात्री रामजी प्रसाद के द्वारा शोर करने पर प्लेटफार्म पर तैनात रेल पुलिस ने दोनों झपटमारों को रंगे हाथ धर दबोचा। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान रक्सौल थाना क्षेत्र के नवका टोला निवासी समीर हुसैन व दूसरा उसी गांव का राकेश कुमार के रूप में हुई है। उसके पॉकिट का जांच किया गया तो उनके पॉकिट से एक और चोरी का मोबाईल बरामद किया गया। लौरिया निवासी रामजी प्रसाद ने बताया कि अपनी माता का इलाज कराने आये हुए थे इलाज कराकर रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रहे थे तभी दो युवक मेरे हाथ से मोबाइल छीन भागने लगे तब तक पुलिस के द्वारा उन्हें पकड़ा गया। वही जीआरपी प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि दोनों आरोपियों को कागजी कार्रवाई कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US
Tally Prime
ADCA DCA CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309 RAKESH KUMAR bdscomputer.in

संपादकीय

जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक चरण में

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई अपने निर्णायक चरण में है। आतंकवाद बड़ी संगठित आतंकी हिंसाओं से सिमट कर महज छद्म लड़ाई रह गया है। केंद्रशासित प्रदेश में हाल ही में हुए आतंकी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा के लिए उच्चस्तरीय बैठक हुई जिसमें शाह ने आंतकी गतिविधियों पर पूरी तरह नकेल कसने यानी जीरो टेरर प्लान लागू करने का निर्देश दिया। उन्होंने सुरक्षा एजेंसियों को मिशन मोड पर काम करने और समन्वित तरीके से त्वरित प्रतिक्रिया सुनिशिचत करने का भी निर्देश दिया। मोदी सरकार के जम्मू-कश्मीर से आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकने में कोई कसर न छोड़ने की बात भी दोहराई।

आने वाले महीनों में प्रदेश में चुनाव भी होने हैं, और चौबंद सुरक्षा से चुनाव सहजता से कराने में मदद मिलेगी। शाह ने जून के अन्त में शुरू होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की भी समीक्षा की। हालांकि बीते हफ्ते ही आतंकियों ने राज्य के रियासी, कठुआ और डोडा जिलों में चार स्थानों पर हमले किए जिनमें नौ तीर्थयात्रियों मौत और एक जवान शहीद हो गया। घटना में सात सुरक्षाकर्मियों समेत कई अन्य घायल हुए हैं। हालांकि इस दरम्यान मुठभेड़ में सेना ने दो आतंकी मारे गिराए जिनकी पहचान पाकिस्तानी नागरिक के तौर पर हुई। उनके पास से भारी मात्रा में गोला-बारूद और हथियार बरामद हुए। सरकार के कड़े रुख और स्पष्ट निर्देशों के चलते सैन्य बलों का उत्साह लगातार बढ़ रहा है। खासकर मोदी सरकार के शांति बहाली के प्रयासों से स्थानीय रहवासी भी सुकून की सांस ले पा रहे हैं। सीमा पार से आतंक रोकने और घुसपैठियों का खात्मा करने की कोशिशों का ही नतीजा है कि कश्मीर में पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। सरकार द्वारा बहुस्तरीय सुरक्षा कवर लगाने का आह्वान तथा तीर्थस्थलों और सभी पर्यटन स्थलों के प्रति सुरक्षा बढ़ाने की कवायद में तेजी लाने का असर जल्द देखने को मिल सकता है। मानव खुफिया जानकारी जुटाने और घुसपैठ के ठिकानों को बंद करने के अलावा क्षेत्र में सक्रिय आतंकियों का सफाया करने निर्णय केंद्र के सकारात्मक प्रयासों का नमूना है। प्रतीत हो रहा है कि तीसरी बार सत्ता में आते ही मोदी सरकार ने पूरी तैयारी के साथ आतंकवाद से जूझने के लिए कमर कस ली है।

ईवीएम पर फिर घमासान

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) से छेड़छाड़ के दावे और सवाल रविवार को एक बार फिर से उठ खड़े हुए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मीडिया में मुंबई की एक खबर-जिसमें आरोप लगाया गया है कि मुंबई उत्तर पश्चिम लोक सभा सीट से शिवसेना उम्मीदवार के एक रिश्तेदार ने चार जून को मतगणना के दौरान एक मोबाइल फोन का इस्तेमाल किया था जो ईवीएम से जुड़ा हुआ था-का हवाला देते हुए ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। हालांकि चुनाव आयोग ने मोबाइल से लिंक के दावे को खारिज कर दिया है, और फिर से स्पष्ट किया है कि ईवीएम स्वतंत्र प्रणाली है, और इसमें सुरक्षा के मजबूत उपाय हैं। राहूल गांधी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के चेयरमैन एवं टेस्ला के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलन मस्क के एक पोस्ट का हवाला भी दिया जिसमें मस्क ने दावा किया है कि ईवीएम में छेड़छाड़ का खतरा बहुत अधिक है। उनका कहना है कि ईवीएम को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के जरिए हैक किया जा सकता है, इसलिए इसे हटाया जाना चाहिए। इसके बाद राहुल गांधी ने कहा कि ईवीएम एक 'ब्लैक बॉक्स' है, और किसी को भी उसकी जांच की अनुमति नहीं है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी ईवीएम की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए आगामी सभी चुनाव मतपत्रों के जरिए कराने की मांग की है। बहरहाल, इस प्रकार ईवीएम पर सवाल उठाया जाना कोई नई बात नहीं है। काफी समय तक ईवीएम को लेकर पक्ष-प्रतिपक्ष के बीच तकरार रही। मामला अदालत में भी पहुंचा। अदालत ने स्पष्ट फैसला देकर इस विवाद का अंत कर दिया था। लेकिन नये घटनाक्रम के बाद प्रतिपक्ष ईवीएम को फिर से संदेह के घेरे में लाने को प्रेरित हुआ है। उसे चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता को लेकर गंभीर चिंता जतलाने, बल्कि कहें कि चुनाव में धांधली की आशंका जताने का मौका भी मिल गया है। प्रतिपक्ष चुनाव से जुड़ी संस्थाओं की जवाबदेही पर सवाल उठा रहा है, और जवाबदेही के अभाव में लोकतंत्र के दिखावा भर रह जाने की बात कह रहा है। ईवीएम को लेकर एक बार फिर से सियासी घमासान छिड़ना दुर्भाग्यपूर्ण है। जब ईवीएम को लेकर शक-संदेहों का चुनाव आयोग अपने स्तर पर निराकरण कर चुका है, अदालत ने भी व्यवस्था दे दी है, और सबसे बड़ी बात कि विपक्ष ईवीएम के जरिए चुनावी जीत को सहज लेता है, तो भी शक-संदेह जताना उसकी अपरिपक्वता दिखाता है।

भ्रामक विज्ञापन : झूठ का बाजार-बड़ा कारोबार

बरसों पहले अखबार में छपे एक विज्ञापन को देख कर जुमला कहा गया था 'विज्ञापन कंबल की दर्शनीय टांगें, दुकानदार से जाकर हम क्या मांगें!' आज भी यह बात हर विज्ञापन पर सटीक बैठती है। बाजारवाद के इस दौर में ऐसी कोई वस्तु नहीं है, जिसका विज्ञापन न किया जाता हो। विज्ञापन बनाने वाली कंपनियां इतनी चालाकी से अपने प्रोडक्ट की नुमाइश करती हैं कि न चाहते हुए भी वो प्रोडक्ट हमारे लिए जरूरी से लगने लगते हैं। यहां तक कि झूठे और भ्रामक विज्ञापनों से भी कोई गुरेज नहीं करतीं, लेकिन बीते दिनों पतंजलि के भ्रामक विज्ञापनों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया। इसके बाद सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय हरकत में आया और विज्ञापन कंपनियों को स्वप्रमाणन-पत्र जारी करने के निर्देश दिए। ऐसे में अगर कंपनियों के प्रोडक्ट में किए गए दावे गलत निकलते हैं, तो न केवल हर्जाना चुकाना होगा, बल्कि कार्रवाई के लिए भी तैयार रहने की बात कही गई है। मंत्रालय द्वारा ऐसे पोर्टल भी तैयार किए जा रहे हैं, जिनमें विज्ञापनदाता स्वप्रमाणन-पत्र अपलोड करेंगे। भ्रामक विज्ञापनों में शामिल चर्चित हस्तियों को भी झूठ में शामिल माना जाएगा। अदालत के सख्त रुख के बाद देर से ही सही पर संबंधित मंत्रालय और व्यवस्थाएं जाग रही हैं वरना तो भ्रामक विज्ञापनों की ऐसी होड़ सी मची हुई है कि स्वयं कामदेव भी दंडवत हो जाए। गोरापन बढ़ाने वाली क्रीम तो बीते 54 सालों से भ्रामक विज्ञापनों के सहारे ही बिकती आई हैं। इन

क्रीमों से गोरापन भले न मिला हो पर कंपनी को 2400 करोड़ रु पये सालाना का रेवेन्यू जरूर मिल रहा है। ऐसा ही हाल पेय पदार्थों को लेकर है जिनका मार्किट 7500 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है जबकि सॉफ्ट ड्रिंक का मार्किट 5700 करोड़ होने का अनुमान है। विडंबना देखिए कि जिन पेय पदाथरे को स्वास्थ्यवर्धक बता कर धड़ल्ले से बेचा जा रहा है, वही बीमारियों की वजह बन रहे हैं। जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली कंपनियों को तो सिर्फ अपना मुनाफा कमाना है जबकि आम जनता लुभावने विज्ञापनों के जाल में उलझी है। वैसे भी कहावत है कि अगर एक झूठ को 100 बार बोला जाए तो जनता उसे सच मान ही लेती है। यही वजह है कि सड़क से लेकर दीवार तक ऐसा कोई कोना नहीं है, जहां विज्ञापन न चस्पा हो। सुई से लेकर हवाई जहाज तक हर चीज का विज्ञापन दिखाया जाता है। समाचार चैनलों पर तो खबर से ज्यादा विज्ञापन प्रसारित हो रहे हैं। इन विज्ञापनों में इस हद तक अश्लीलता परोसी जाने लगी है कि परिवार के साथ बैठकर टेलीविजन देखना भी दूभर सा हो गया है। न्यूज चैनलों के बीच कॉन्डम का विज्ञापन देखकर लगता है जैसे कोई पोर्न चैनल देख रहे हों। परफ्यूम के विज्ञापन तो ऐसे होते हैं मानो रेप कल्चर को बढ़ावा दे रहे हों। कुल मिला कर देखा जाए तो महिलाओं को विज्ञापन के केंद्र में रखकर नारी देह को अश्लील तरीके से परोसा जा रहा है। विज्ञापनों में महिलाओं को कामुक दिखाने का चलन इस कदर बढ़ गया है जैसे नारी सिर्फ उपभोग की वस्तु हो! कहने को तो हमारे देश में अश्लील प्रदर्शन के विरु द्ध कानूनी प्रावधान हैं, फिर भी उनकी खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती हैं। कोर्ट ने भ्रामक विज्ञापनों पर तो चाबुक चला दी पर विज्ञापनों के माध्यम से परोसी जा रही अश्लीलता को भी संज्ञान में लिया जाना चाहिए। सच है कि वर्तमान दौर में विज्ञापन हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गए हैं, बदलते परिवेश में विज्ञापनों का रंग-रूप भी बदल गया है। एक दूसरे से बेहतर दिखने-दिखाने की चाह में विज्ञापनों में अश्लीलता का ऐसा दौर शुरू हो गया जिसकी कल्पना नहीं की गई थी। किसी के पास इन सवालों के कोई जवाब नहीं हैं कि ये विज्ञापन 'नारी देह' पर ही क्यों केंद्रित होते हैं? आखिर, एक स्त्री किसी पुरुष के अंडरवियर या परफ्यूम पर ही सम्मोहित कैसे हो सकती है? ऐसी क्या वजह है जो उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए महिलाओं के अंग प्रदर्शन और झूठ का सहारा लिया जाता है। विज्ञापन कंपनियां महिलाओं को उपभोग की वस्तु दिखाने से क्यों गुरेज नहीं करतीं? ऐसे में सवाल यह भी है कि क्या जिस स्त्री स्वरूप की हमारी संस्कृति में देवी से तुलना की गई है, वो अब इसी की हकदार बची है? प्रेम और सेक्स कभी भी एक समान नहीं हो सकते और प्रेम और सेक्स को कभी समानांतर आंका भी नहीं जा सकता। लेकिन, विज्ञापनों ने उल्टी गंगा बहाना शुरू कर दिया। उनका एक ही मकसद है, स्त्रियों के कामोत्तेजक हाव-भाव और सम्मोहक अंदाज के जरिए पुरुष दर्शकों को आकर्षित करना। लेकिन, हम पैसे बनाने और किसी ब्रांड को चमकाने के लिए स्त्री की क्या छवि गढ़ रहे हैं? सवाल उस नायिका का भी है, जो ऐसे विज्ञापनों में काम भी सिर्फ पैसे की खातिर कर लेती है। समाज में महिलाओं की स्वच्छ छवि विज्ञापनों के माध्यम से दिखानी होगी। कंपनियों को अपने प्रोडक्ट की गुणवत्ता बढ़ानी होगी ताकि झूठे प्रचार की आवश्यकता ही न पड़े। महिलाओं को भी आगे बढ़कर उन विज्ञापनों का विरोध करना होगा जिनमें महिलाओं की छवि को धूमिल किया जा रहा है। भ्रामक विज्ञापनों के मायाजाल को तोड़ना होगा ताकि इनके सम्मोहन से आम जनता को बचाया जा सके।

-सोनम लववंशी

उत्तराखंड : झुलस रही जैव-विविधता

नवम्बर, 2023 से अब तक उत्तराखंड के तमाम इलाकों में लगी आग की तकरीबन एक हजार दो सौ बयालिस घटनाएं दर्ज की जा चुकी हैं जिससे 1,696 हेक्टेयर क्षेत्रफल की वन संपदा का नुकसान हो चुका है। कम से कम दस लोगों की मौत अब तक हो चुकी है। जैव-विविधता का जो नुकसान हुआ है, उसका अनुमान लगाना मुश्किल हैं। जैव-विविधता और जन-गण का नुकसान अभी रु का नहीं है, जिस पर तुरंत काबू पाने की जरूरत है। सरकारी आंकड़े के मुताबिक राज्य के कुमाऊं मंडल में सबसे ज्यादा 598 और गढ़वाल मंडल में 532 जंगल की आग की घटनाएं घटीं। पिछले आठ महीने में आग की घटनाओं से वन संपदा का ही नाश नहीं हुआ है, बल्कि काफी बड़े इलाके में तपिश भी बढ़ गई है। इसका असर रानीखेत और अल्मोड़ा के जंगलों में बेकाबू आग के रूप में देखा जा सकता है। आग से जंगल ही नहीं जल रहे हैं, बल्कि लोगों के घर, दुकान और ऑफिस को भी नुकसान हो रहा है। महज दिल्ली में ही 26 मई, 2024 तक 8912 घटनाएं घट चुकी हैं, जिनमें 55 लोगों की जान जा चुकी है। अरबों का नुकसान हो चुका है। देश-दुनिया में हर साल आग की लाखों घटनाएं घटती हैं जिससे करोड़ों की संपत्ति नष्ट होती है, मवेशी मारे जाते हैं, और कई लोग इसकी भेंट चढ़ जाते हैं। सरकारों के आग पर काबू पाने और मुस्तैदी के सारे दावे धरे रह जाते हैं। अब तक आग की बाइस हजार से अधिक घटनाएं देश के विभिन्न हिस्सों में घट चुकी हैं, जिससे करोड़ों-अरबों की संपत्ति खाक हो चुकी है। मवेशी और जन धन की जो हानि हुई है, वह अलग। देश के विभिन्न हिस्सों में जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही हैं खासकर उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य इससे सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। यूं तो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, असम, महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भी आग से जंगल तबाह होते रहे हैं, लेकिन जिस बड़े पैमाने पर दोनों पहाड़ी राज्यों में तबाही देखने को मिलती है वैसी अन्य किसी राज्य में नहीं। पिछले तीस वर्षो में आग की लाखों छोटी-बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं जिनमें लाखों हेक्टेयर जमीन में खड़े जंगल प्रभावित हुए हैं। जैविक-विविधता का नाश हुआ है और जीव-जंतु मारे गए। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजास्टर मैनेजमेंट के अनुसार भारत को 50 फीसद जंगलों को आग से खतरा है, जिसमें अधिकतर जंगल हिमाचल, जम्मू, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और असम के हैं। कई बार सूखे पत्तों और घनी झाड़ियों को जलाने के लिए आग लगाई जाती है। माना जाता है कि स्थानीय निवासियों द्वारा छोटे इलाकों में सूखे पत्तों और छोटी सूखी

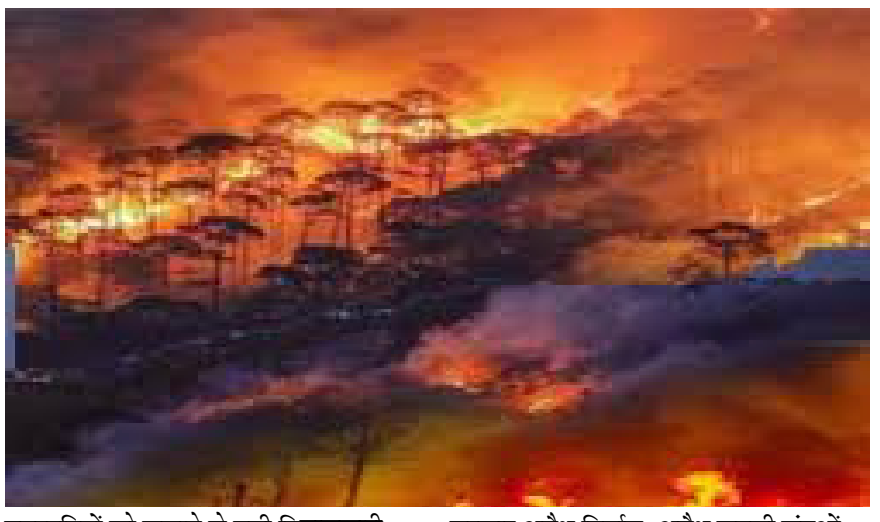

वनस्पतियों को जलाने से बड़ी विनाशकारी आग की घटनाएं नहीं होती हैं जिससे पर्यावरण की क्षति, वन क्षेत्र की वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के विनाश का भी खतरा नहीं रहता। राज्य सरकार और केंद्र सरकार को इस तरह के लोगों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षित करके छोटे इलाकों के पर्यावरण को क्षति पहुंचाने वाले खर-पतवारों को जलाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। लेकिन यह काम बहुत सावधानी के साथ किया जाना चाहिए। कई बार छोटी आग विकराल रूप धारण कर विनाश की वजह भी बन जाती है। दरअसल, पहाड़ी जीवन समतल इलाकों में रहने वालों से कई मामलों में अलग होता है। पहाड़ी इलाकों के रहवासियों का पालन-पोषण जंगल ही करते रहे हैं। फल-फूल, मेवे, औषधियां, जलाऊ लकड़ियां और मकान बनाने की लकड़ियां भी जंगलों से आराम से मिल जाती थीं। 1988 में केंद्र सरकार ने जो वन नीति बनाई थी उससे जंगलों को संरक्षित करने और उनका विस्तार करने में सहूलियत तो मिली लेकिन उत्तराखंड बनने के बाद जिस तरह से वनों में माफिया समूहों, तस्करों और वन विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से लूट मची, उससे उत्तराखंड बनने का उद्देश्य खंड-खंड हो गया। आज भी उत्तराखंड में तमाम तरह की समस्याएं हैं, जिनका हल निकाला जाना चाहिए। पर्यटन के मामले में उत्तराखंड देश के दूसरे राज्यों से काफी आगे है, लेकिन जिस रूप में पर्यटन का विकास हो रहा है, उससे कई तरह की दुरियां भी पैदा हो रही हैं जिनमें जंगल काट कर भवनों का निर्माण भी एक है। आज उत्तराखंड में भारत ही नहीं, विदेश की अनेक बहुराष्ट्रीय कंपनियां भी यहां की अमूल्य संपदा का दोहन कर पूरे इलाके को खोखला करने में लगी हुई हैं। रोजगार देने और खुशहाली का नया दौर शुरू करने का सब्जबाग दिखाने वाली ये कंपनियां राज्य सरकार से खाद पानी पाती रही हैं। राज्य सरकार अवैध निर्माण, अवैध जगली जंतुओं के शिकार, अवैध खनन और वन की अमूल्य औषधियों एवं लकड़ियों की तस्कारी रोकने में विफल रही है। जिस लक्ष्य को लेकर उत्तराखंड का निर्माण किया गया था, वह लक्ष्य आज भी अधूरा है। पहाड़ के निवासियों द्वारा उत्तराखंड निर्माण के समय देखे गए स्वप्न जंगलों के साथ लगातार जलते आए हैं। हर बार चुनाव के समय हर पार्टी उत्तराखंड को सबसे खुशहाल राज्य बनाने का वादा करके सत्ता में आती है, और सत्ता मिलते ही अपना गुणा-भाग और नफा-नुकसान केवल पर्यटन को बढ़ावा देने और नई-नई देशी-विदेशी कंपनियों के जरिए केवल लाभ कमाने पर सारा ध्यान केंद्रित कर देती हैं। जो इस प्रदेश की मूल समस्याएं हैं, उनके लिए कोई ठोस दूरगामी कदम और योजनाएं नहीं बनाई जातीं। जब जंगल जलता है तो केवल जंगल नहीं जलता, बल्कि इस इलाके का आधार ही जल कर खाक हो जाता है। देवभूमि कही जाने वाला इस पहाड़ी प्रदेश के अस्तित्व में आने के बाद यह अनगिनत प्राकृतिक त्रासदियों को झेलने के लिए मजबूर होता रहा है। शासन, प्रशासन प्राकृतिक त्रासदियों से छुटकारा दिलाने या मलहम लगाने के लिए तत्काल कदम उठाता तो है लेकिन जिस स्तर पर आग से लोगों का नुकसान होता है, उसकी भरपाई प्रशासन भी करने में नाकाम रहता है। जरूरत है जिम्मेदार विभाग और उनमें जिम्मेदार अधिकारियों को लापरवाही करने के प्रति चेतावनी देने की। कर्त्तव्य के प्रति लापरवाही को गम्भीर अपराध माना जाना चाहिए। प्रशासन अपने कर्त्तव्य के प्रति चुस्त रहेगा तो जगंल की बेकाबू होती आग भविष्य में विकराल रूप नहीं धारण कीं। और साथ में यह भी सोचना होगा कि प्राकृतिक संपदा को बचाने के लिए बड़े स्तर पर ऐसी योजना बनाई जानी चाहिए जिससे आगे लगने पर तुरंत उस पर काबू पाया जा सके।

-अखिलेश आर्येन्दु

आज का पंचांग

आज 19 जून, 2024 - शुक्ल पक्ष, द्वादशी है। अगर कोई शुभ कार्य करना चाहते हैं तो राहुकाल का समय जरूर नोट कर लें, इस समय कोई शुभ कार्य न करें। आज राहुकाल 12:23 पी एम से 02:07 पी एम तक रहेगा।

आज का राशिफल

मेष : मेष राशि वाले कार्य क्षेत्र में व्यर्थ वाद विवाद से बचें अन्यथा झगड़ा हो सकता है. नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं. यात्रा में कीमती वस्तु का विशेष ध्यान रखें. माता को लेकर मन कुछ परेशान रहेगा. निर्माण संबंधित कार्यों में कुछ बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है. कोर्ट कचहरी के मामले में पैरवी अच्छे से करें.

वृषभ : वृषभ राशि वालों के लिए पहले से सोचे समझे कार्य में सफलता प्राप्त होने की संभावना रहेगी. मेहतपूर्ण कार्यों में संघर्ष हो सकता है. आप समाज में अपना स्थान बनाने में सफल होंगे. लंबी दूरी की यात्रा पर जाने के सहयोग बनेंगे. विरोधी पक्ष आपको नीचे दिखाने की कोशिश कर सकते हैं.

मिथुन : मिथुन राशि वालों को नौकरी में उच्च अधिकारियों से निकटता का लाभ मिलेगा. कार्य क्षेत्र में संघर्ष के बाद समस्याएं सुलझेंगी. सहकर्मियों की ओर से सहयोगात्मक व्यवहार बढ़ेगा. व्यापार करने वाले लोगों को अचानक लाभ होने के योग बनेंगे. मानसिक संतोष बढ़ेगा. पहले से सोचे समझे कार्यों के बनने के संकेत प्राप्त होंगे.

कर्क : कर्क राशि वाले कार्य क्षेत्र में अत्यधिक व्यस्त रहेंगे. कार्य की अधिकता से मानसिक तनाव एवं चिड़चिड़ापन बनेगा. आप अपनी कठोर वाणी पर संयम रखें. व्यापार में आय बढ़ाने के लिए मेहनत करेंगे. लेकिन उसका आपको अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग हैं.

सिंह : सिंह राशि वालों को आपको उत्तम भोजन प्राप्त होगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य की बाधा दूर होगी. यात्रा में नए मित्र बनेंगे. राजनीतिक में लाभ मिलेगा. व्यापारिक विस्तार की योजना सफल होगी. नौकरी में अधीनस्थ का सहयोग मिलेगा. पारिवारिक संबंध में सुधार होगा.

कन्या : कन्या राशि वालों के लिए बुधवार का दिन सुख लाभ, उन्नति प्रदायक रहेगा. जब तक कार्य पूर्ण हो जाए तब तक किसी से उसका खुलासा न करें. अन्यथा कार्य बिगड़ भी सकता है. अपनी भावनाओं को सकारात्मक दिशा प्रदान करें. आजीविका के क्षेत्र में कार्यरत व्यक्ति को अधिक परिश्रम करने से स्थित सुधेगी.

तुला : तुला राशि वालों के लिए लाभ उन्नति कारक रहेगा. किसी महत्वपूर्ण कार्य में संघर्ष रहेगा. लेकिन परिस्थितियों कुछ अनुकूल नहीं है. सामाजिक क्षेत्र में नई जान पहचान बनेगी. कार्य क्षेत्र में अपने निकटतम सहयोगियों के साथ अधिक तालमेल बनाने की आवश्यकता रहेगी.

वृश्चिक : वृश्चिक राशि वालों के लिए उतार-चढ़ाव युक्त रहेगा. आज व्यापार में अधिक लाभ उन्नति के योग हैं. अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखें. जल्दबाजी में कोई बड़ा निर्णय न ले. सगे संबंधियों के साथ किसी महत्वपूर्ण मसले पर विचार विमर्श होगा.

धनु : धनु राशि वालों के लिए बुधवार का दिन सामान्य सुख एवं लाभकारी रहेगा. बनते बनते कार्यों में अड़चनें आएंगी. सामाजिक मान प्रतिष्ठा के प्रति सजग रहने की आवश्यकता रहेगी. क्रोध से बचें. सभी से तालमेल युक्त व्यवहार बनाए रखें. रचनात्मक रूप से कार्य करने से लाभ होगा.

मकर : मकर राशि वाले कार्य क्षेत्र में कोई महत्वपूर्ण कार्य जब तक पूरा न हो जाए तब तक किसी से उसका खुलासा न करें. अन्यथा कार्य बिगड़ भी सकता है. अपनी समस्याओं को अधिक न बढ़ने दे. उनके शीघ्र समाधान करने का प्रयास करें.

कुंभ : कुंभ राशि वालों के लिए नवीन व्यापार शुरू करना लाभदायक रहेगा. व्यापार में नए सहयोगी बनेंगे. नौकरी में मनचाहा कार्य करने को मिलेगा. किसी परिजन के कारण समाज में मान एवं प्रतिष्ठा बढ़ेगी. सरकारी नौकरी में उत्तराधिकारियों से आपका वर्चस्व स्थापित होगा. खेलकूद प्रतियोगिता में अपेक्षित सफलता मिलने के योग है.

मीन : मीन राशि वाले लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें. यात्रा में चोट लग सकती है. कार्य क्षेत्र में किसी महत्वपूर्ण योजना की जिम्मेदारी मिलेगी. झगड़ा मारपीट के खराब आपकी छवि को धक्का लगेगा. राजनीति तनाव का कारण बन सकती है. शराब पीकर वाहन चलाना घातक सिद्ध होगा. नौकरी में कार्य सिद्ध होंगे.

मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची इमारत पर बना एक बड़ा सितारा

रूस में सितारे की आकृति का विशेष महत्व है। रूस जब सोवियत संघ था, तब इसके ध्वज में भी सितारा था। ये प्रसिद्ध ढ़ाचा मास्को स्टेट युनिवर्सिटी की 787 फुट उंची मुख्य इमारत पर बना हुआ है। 12 टन वज़नी ये सितारा 30 फुट लंबा है। यहां निगरानी रखने के लिए एक छोटा कमरा भी है। रूस की राजधानी मास्को में ऐसी दर्जन भर इमारतें और टावर हैं, जिनपर अभी भी सितारानुमा आकृति के बड़े बड़े ढ़ाचे बने हुए हैं।

ताइवान में बांस के इस्तेमाल से बनाई गई अनोखी दीर्घा

वास्तुकला में इन दिनों प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल पर ज़ोर दिया जा रहा है। वास्तुविद सुंदरता के साथ टिकाउपन और अनोखापन भी चाहते हैं। वहीं पर्यावरण संरक्षण की ओर भी उनका ध्यान है। यह तस्वीर ताईवान में वर्ल्ड फ्लोरा एक्सपोशिन के मौके पर बनाए गए पैवेलियन की है। ताईवान के प्रसिद्ध जुओ स्टूडियो ने बांस से यह दीर्घा बनाई है। इसका डिज़ाईन ताइवान के सेन्टरल माउंटेन रेंज से प्रभावित है। जुओ स्टूडियो स्थानीय प्राकृतिक चीजों के इस्तेमाल के लिए जाना जाता है।

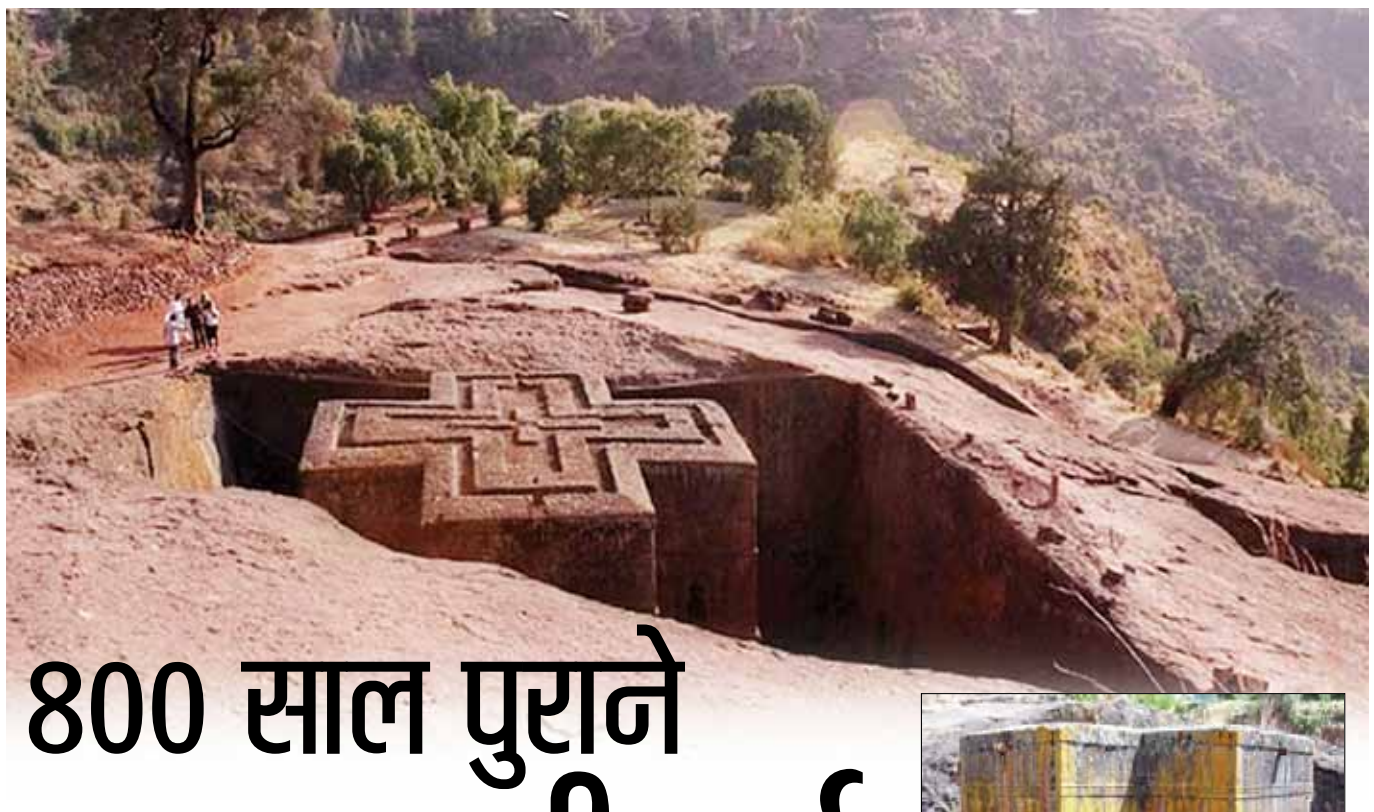

800 साल पुराने रहस्यमयी चर्च

जिनकी कहानियां करती हैं हैरान

इथोपिया की राजधानी अदीस अबाबा से 645 किलोमीटर दूर ये नायाब चर्च मोनोलिथिक यानी एक ही पर्वत या पत्थर को काटकर बनाया गया है। ये चर्च काफी गहरा बना हुआ है। हांलाकि पूर्वी अफ्रीकी देश लालीबेला शहर में स्थित ये चर्च सालों तक दुनिया से दूर रहा है। ईसाई धर्म को मानने वाले दुनिया के सबसे पुराने देश इथोपिया के लोगों को लगता था कि ये चर्च ईश्वर ने खुद ही बनवाया है। 150 फुट की गहराई में बने इस चर्च का रास्ता तय करने के लिए भूमिगत सीढ़िया भी बनाई गई हैं। मध्यकालीन युग में बनाया गया ये चर्च सरंक्षित इमारतों की सूची में शामिल है।

आज हम आपको कुछ ऐसे रहस्यमय चर्चों के बारे में बताने जा रहे हैं, जो करीब 800 साल पुराने हैं। इनके बनने के पीछे जो कहानियां प्रचलित हैं, उसे जानकर तो हर कोई हैरान रह जाता है। दुनियाभर के लोगों के बीच ये चर्च आकर्षण का केंद्र हैं। इन्हें देखने के लिए हर जगह से लोग बड़ी संख्या में आते हैं।

इन चर्चों को लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है, जो इथियोपिया के लालिबेला शहर में हैं। यहां कुल 11 ऐसे चर्च हैं, जिन्हें चट्टानों को काटकर बड़ी खूबसूरती से बनाया गया है। कहते हैं कि लाल और नारंगी रंग की ये चट्टानें ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी हैं। माना जाता है कि इन चर्चों का निर्माण 12वीं और 13वीं सदी के बीच कराया गया है और इन्हें बनवाया है लालिबेला नाम के राजा ने, जो जाग्वे राजवंश से संबंध रखते थे। उन्हीं के नाम पर शहर का भी नाम लालिबेला पड़ा और चर्चों को भी लालिबेला के चर्च के नाम से जाना जाता है।

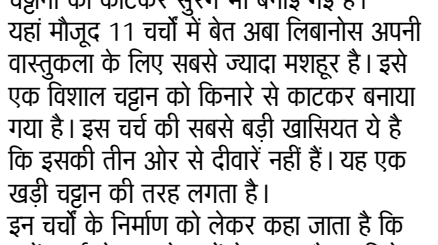

कहते हैं कि राजा लालिबेला चर्चों को बनवा कर इस जगह को अफ्रीका का यरुशलम बनाना चाहते थे। आपको बता दें कि यरुशलम ईसाई धर्म का एक पवित्र तीर्थस्थल है। इस शहर को ईसा मसीह की कर्मभूमि कहा जाता है। यहां 150 से ज्यादा चर्च हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनवाने में करीब 20 साल लगे थे। इन्हें हथौड़े और छेनी जैसे मामूली औजारों से बनाया गया है। यहां की सबसे खास बात ये है कि एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए चट्टानों को काटकर सुरंग भी बनाई गई है।

यहां मौजूद 11 चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपनी वास्तुकला के लिए सबसे ज्यादा मशहूर है। इसे एक विशाल चट्टान को किनारे से काटकर बनाया गया है। इस चर्च की सबसे बड़ी खासियत ये है कि इसकी तीन ओर से दीवारें नहीं हैं। यह एक खड़ी चट्टान की तरह लगता है।

इन चर्चों के निर्माण को लेकर कहा जाता है कि इन्हें स्वर्ग से आए देवदूतों ने बनाया है। लालिबेला के लोगों के बीच यह कहानी प्रचलित है कि दिन में यहां मजदूर काम करते थे और जब वो रात के समय सोने चले जाते थे, तब स्वर्ग से उतर कर देवदूत चट्टानों को चर्च का आकार देते थे। साल 1978 में इन चर्चों को यूनेस्को ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया था।

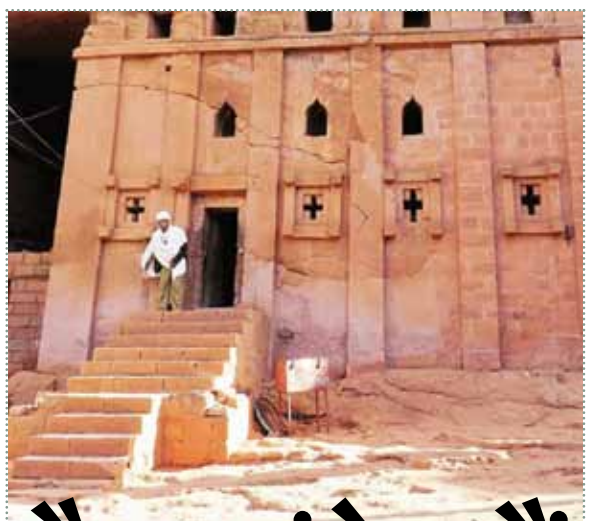

हैरतअंगेज हैं लालिबेला के ये चर्च

दुनिया में कई अद्भुत स्थान और इमारते हैं, उनमें से एक इथियोपिया के लालिबेला शहर में चट्टानों को काटकर बनाए गए चर्च हैं। इथियोपिया में चट्टानों को काटकर बनाए गए इस तरह के 11 चर्च हैं। ये चर्च अपने डिजाइन और सौंदर्य के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं।

12वीं सदी में लालिबेला नाम के ही राजा ने इन चर्चों का निर्माण कराया था। बाद में लालिबेला के नाम पर इस शहर का नाम भी लालिबेला पड़ गया। ईसाई धर्म के अनुयायियों के लिए पहले यरुशलम तीर्थस्थल हुआ करता था। 12वीं सदी में उस पर मुस्लिमों का कब्जा हो गया। मुस्लिमों का कब्जा होने के बाद ईसाई धर्म के लोगों के लिए तीर्थस्थल की कोई जगह नहीं रह गई। ऐसे में लालिबेला ने उन चर्चों को बनाया था। कहा जाता है कि लालिबेला की योजना उसे अफ्रीका का यरुशलम बनाने की थी।

चर्चों का निर्माण

चट्टानों को काटकर इन चर्चों को बनाया गया। इनको बनाने में करीब 20 साल लगे। लाल-नारंगी रंग की ये चट्टानें असल में ज्वालामुखी फटने के बाद उसके लावा से बनी है। सबसे हैरत की बात यह है कि इन 11 चर्चों को उस समय के मामूली औजारों से बनाया गया है। साथ ही एक चर्च को दूसरे चर्च से जोड़ने के लिए पहाड़ों को काटकर सुरंग बनाया गया है। ये चर्च वास्तुकला और सौंदर्य का नमूना है। चर्च के अंदर काफी आकर्षक डिजाइन बनाए गए हैं।

देवदूतों ने बनाया

इन चर्चों के बारे में कहा जाता है कि इनको खुद स्वर्ग से उतरकर देवदूतों ने बनाया है। उनके मुताबिक, मजदूर दिन के समय में काम करते थे और रात में जब वे सोने चले जाते थे तो स्वर्ग से उतरकर देवदूत उन चट्टानों को चर्च के आकार में खूबसूरत तरीके से तराशने का काम करते थे।

बेत अबा लिबानोस

उन चर्चों में बेत अबा लिबानोस अपने डिजाइन की वजह से खास है। इसे एक विशाल चट्टान के किनारे को काटकर बनाया गया है। यह अपने आप में वास्तुकला का नमूना है क्योंकि चर्च एक खड़ी चट्टान की तरह है जिसके ऊपर छत है और नीचे फर्श। बाकी तीन ओर से दीवार नहीं है। यह इंसानी इंजिनियरिंग का नमूना है और देखकर समझा जा सकता है कि इसको बनाने में कितनी मेहनत लगी होगी।

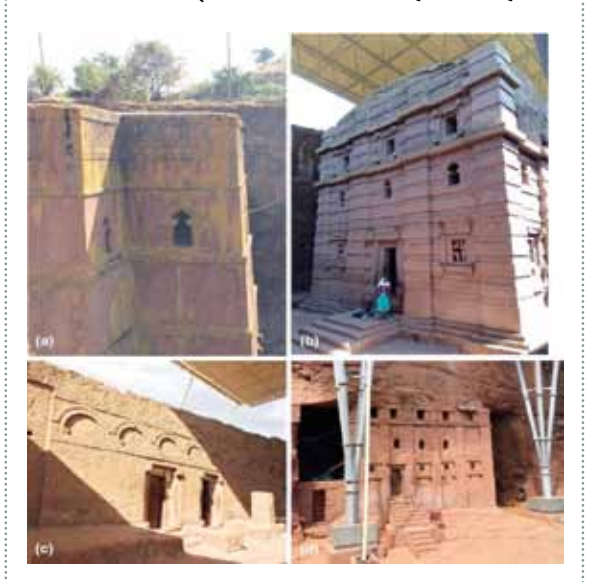

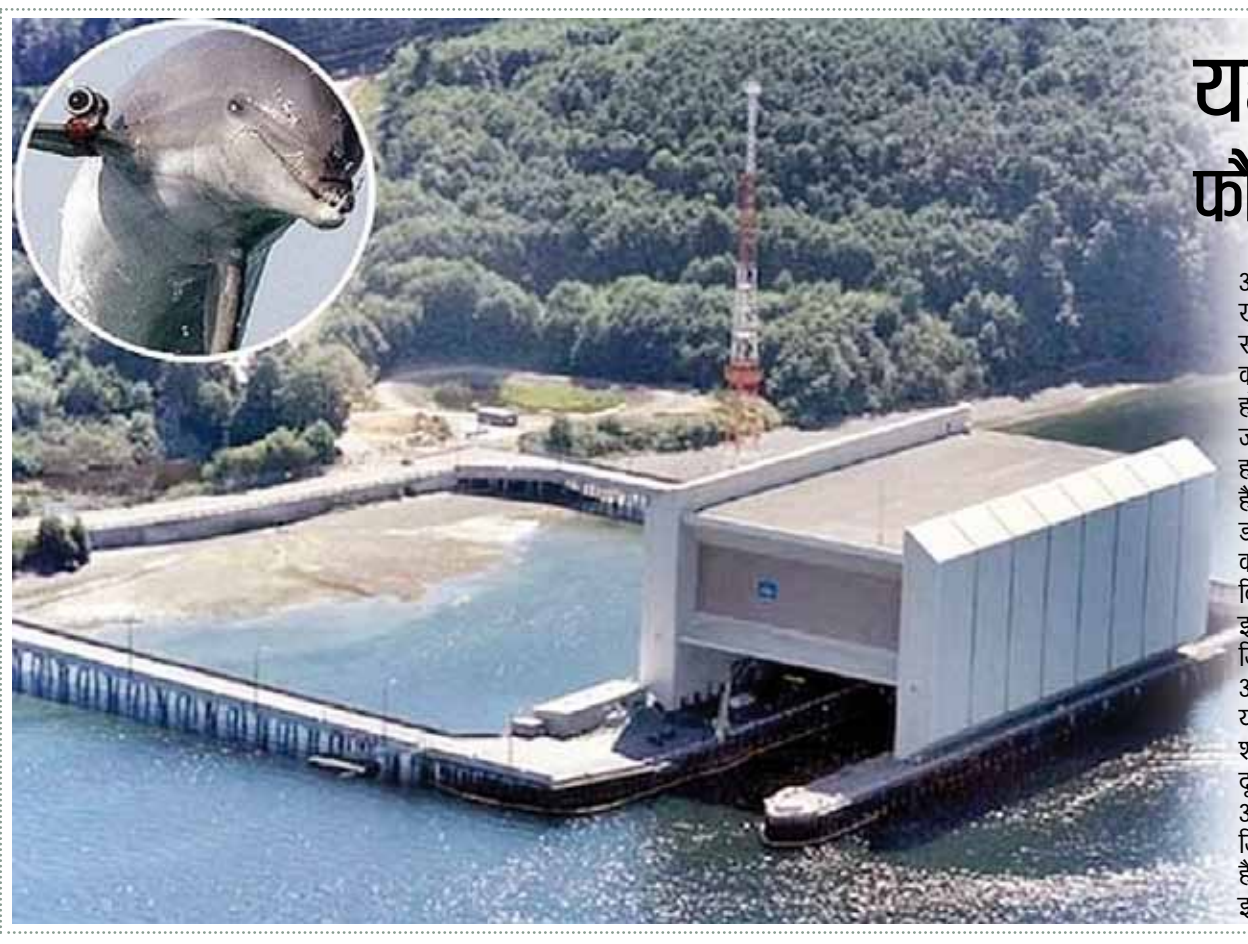

यहां डॉल्फिन और समुद्री शेरों की फौज करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

आमतौर पर किसी भी देश में खुफिया ठिकानों या फिर संवेदनशील इलाकों की सुरक्षा का जिम्मा सेना के हाथ में होता है, लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी है, जहां परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार है और उसकी सुरक्षा करती हैं डॉल्फिन मछलियां। यह हैरान करने वाली बात तो है, लेकिन बिल्कुल सच है। असल में इसके पीछे एक बड़ी वजह है, जिसके बारे में शायद ही कोई आम आदमी सोच पाए।

यह जगह अमेरिका के सिएटेल शहर से करीब 20 मील की दूरी पर है। दरअसल, यहां अमेरिकी नेवी का बेस कैंप है, जिसे नेवल बेस किटसैप कहते हैं। यह जगह दुनियाभर में इसलिए मशहूर है, क्योंकि अमेरिका के करीब एक चौथाई परमाणु हथियार यहीं पर रखे हुए हैं। यहां इतनी मात्रा में परमाणु हथियार हैं कि एक झटके में कई देशों का सफाया हो जाए। इसी वजह से इस जगह को दुनिया में परमाणु हथियारों का सबसे बड़ा भंडार कहते हैं।

अमेरिका ने अपने इस परमाणु भंडार की रक्षा के लिए इंसान या मशीन नहीं बल्कि डॉल्फिन और सी लॉयन (समुद्री शेर) की एक बड़ी फौज रखी है। इस अनोखी फौज में करीब 85 डॉल्फिन और 50 समुद्री शेर हैं। इन्हें खासतौर पर परमाणु हथियारों की रक्षा के लिए कैलिफोर्निया स्थित एक प्रशिक्षण केंद्र में प्रशिक्षित किया गया है।

डॉल्फिन करती है परमाणु हथियारों की रक्षा

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, डॉल्फिन और समुद्री शेरों के शरीर में एक बाइट प्लेट फिट कर दी जाती है। अगर कोई घुसपैठिया समुद्री रास्ते से परमाणु हथियारों के पास जाने की कोशिश करता है तो ये समुद्री जीव उसके पैर से जाकर टकराते हैं, जिससे प्लेट उनकी टांग में चिपक जाती है और वो तब तक उसे बाहर नहीं निकाल सकता है, जब तक कि उससे संदेश समुद्री जीवों के हैंडलर तक नहीं पहुंच जाता। इससे घुसपैठिये पर नजर रखी जाती है और जरूरत पड़ने पर कार्रवाई भी की जाती है। दरअसल, डॉल्फिन और समुद्री शेरों को यह काम इसलिए सौंपा गया है, क्योंकि डॉल्फिन के अंदर खूबी होती है कि वो समुद्र के काफी नीचे की चीजों का भी पता लगा सकती है। इसके अलावा समुद्री शेरों की सुनने और देखने की क्षमता बहुत अधिक होती है। वह समुद्र की गहराई में, जहां सिर्फ अंधेरा ही होता है, वहां भी ये देख सकते हैं। यही वजह है कि इन्हीं दो समुद्री जीवों को परमाणु हथियारों की सुरक्षा का काम सौंपा गया है।

टेस्ट क्रिकेट को बचाने बीसीसीसीआई आगे आये : ग्रेव

ब्रिजटाउन। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी जॉनी ग्रेव ने कहा कि आज के दौर में टेस्ट क्रिकेट का भविष्य खतरे में नजर आ रहा है। ऐसे में भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को उसे बचाने के लिए आगे आना चाहिये। ग्रेव के अनुसार दुनिया भर में क्रिकेट खेलने वाले सदस्य देशों में टेस्ट प्रारूप को बचान और इसके विकास में बीसीसीआई अहम भूमिका निभा सकता है। सीडब्ल्यूआई से 2017 में जुड़ने वाले ग्रेव ने व्यस्त कार्यक्रम के बाद भी टेस्ट क्रिकेट के प्रति बीसीसीआई की अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए ये बातें कहीं। साथ ही कहा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को भारत, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बाहर भी टेस्ट प्रारूप को बचाने के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। आईसीसी के नौ प्रतिस्पर्धी पूर्ण सदस्यों में से केवल तीन बड़े सदस्य ही 2023-2025 विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप चक्र में पांच मैचों की सीरीज खेलेंगे। वहीं तीन अन्य पूर्ण सदस्य आयरलैंड, अफगानिस्तान और जिम्बाब्वे 2019 में शुरू की गई इस चैंपियनशिप में भी तक शामिल नहीं किये गये हैं। उन्होंने खेल के भविष्य और बीसीसीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका

को लेकर कहा, 'उसे नेतृत्वकर्ता की भूमिका निभानी है क्योंकि ताकत, प्रभाव और संसाधनों के मामले में वे अब नंबर एक बोर्ड हैं। उन्होंने जिस तरह से खेल के तीनों प्रारूपों को खेलना जारी रखा है, वह शानदार रहा है। टेस्ट क्रिकेट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता मुझे नहीं लगता कि यह कभी इतनी मजबूत रही होगी जितनी अब है। ग्रेव ने कहा कि आईसीसी में भारत के रुख का काफी प्रभावशाली रहता है। उन्होंने कहा, 'आईसीसी द्वारा लिए जाने वाले प्रमुख निर्णयों में उनकी भूमिका काफी अहम रही है। पिछले 12 महीनों में क्रिकेट को ओलंपिक में प्रवेश दिलाने में भी बीसीसीआई ने आईसीसी को पूरा सहयोग दिया है।

रोहित, विराट सुपर आठ और आगे बेहतर प्रदर्शन करेंगे तो पिछला खराब प्रदर्शन प्रशंसक भूल जाएंगे : मांजरेकर

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अगर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली सुपर आठ और आगे के मैचों में बेहतर प्रदर्शन करते हैं तो लीग चरण में इनके खराब प्रदर्शन को लोग भूल जाएंगे। मांजरेकर के अनुसार रोहित टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल या फाइनल जैसे बड़े मैचों में निर्णायक पारी खेलते हैं तो ग्रुप चरण में उनका प्रदर्शन अधिक मायने नहीं रखेगा। विराट ने टूर्नामेंट में अभी तक जो तीन मैच खेले हैं उनमें वह पांच रन ही बना पाये हैं। रोहित ने आयरलैंड के खिलाफ अर्धशतक लगाया पर पाकिस्तान और अमेरिका के खिलाफ वह रन नहीं बना पाये। मांजरेकर ने कहा, 'अगर आपने रोहित और विराट जैसे खिलाड़ियों का चयन किया है, तो आपने अनुभव को प्राथमिकता दी है। आप अपने अनुभवी खिलाड़ियों को विश्व कप में ले जाना चाहते हैं, जिससे वे तब अच्छा प्रदर्शन करें, जब वास्तव में इसकी सबसे अधिक जरूरत हो। उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे इसको लेकर कोई परेशानी नहीं है कि इनमें से कुछ

खिलाड़ी लय में नहीं हैं। अगर यह खिलाड़ी सेमीफाइनल या फाइनल में निर्णायक पारी खेलकर टीम को विजेता बनाते हैं तो आपके सीनियर खिलाड़ियों से इसी तरह के प्रदर्शन की अपेक्षा की जाती है। साथ ही कहा, 'अगर आपका कोई युवा खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करता है तो वह आपके लिए बोनस है हालांकि सीनियर खिलाड़ियों को अधिक योगदान देना चाहिए और मुझे लगता है कि यही वजह है कि चयन समिति ने टी20 विश्व कप के लिए अनुभव को प्राथमिकता दी। वहीं युवा शिवम दुबे ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय टीम में जगह बनाई लेकिन वह विश्व कप में अभी तक अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। मांजरेकर को अब भी शिवम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें इसके लिए इंतजार करना होगा कि शिवम ने आईपीएल में जिस तरह से स्पिनरों के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। वह उस प्रदर्शन को दोहरा पाते हैं या नहीं। विश्व कप में स्पिनरों के खिलाफ खेलना आसान नहीं है और देखना होगा की दुबे इन पिचों पर सफल होने के लिए अपने खेल में किस तरह से बदलाव करते हैं।

कीवी गेंदबाज फर्ग्यूसन ने रचा इतिहास

फ्लोरिडा। आईसीसी टी20 विश्व कप में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन ने पापुआ न्यूगिनी के खिलाफ एक ऐसा रिकार्ड बनाया है। जिससे तोड़ना किसी भी गेंदबाज के लिए संभव नजर नहीं आता है। इस मैच पापुआ न्यूगिनी की टीम पहले बल्लेबाजी करते हुए 78 रनों पर ही सिमट गयी थी। इस मैच में फर्ग्यूसन ने अपने चार ओवर में एक भी रन नहीं देते हुए तीन विकेट लिए। पारी के 4.1 ओवर में फुर्ग्युसन ने पीएनजी के कप्तान असद वाला को डेरेल मिचेल के हाथों कैच करवाया। इसके बाद 11.2 ओवर में चार्ल्स अमिनी को एलबीडब्लयू किया और 13.2 ओवर में चाद सोफर को बोल्ड कर तीसरा विकेट लिया। इससे पहले टी20 क्रिकेट में सिर्फ एक बार ऐसा हुआ है जब किसी गेंदबाज ने 4 ओवर मेडन डाले हैं। साल 2021 में पनामा के खिलाफ कनाडा के साद बिन जफर ने 4 ओवर मेडन डालकर 2 विकेट लिए थे।

विश्वकप खेलने से पहले नेत्रवलकर ने देर रात जागकर पूरे किये थे प्रोजेक्ट

फ्लोरिडा। भारतीय मूल के अमेरिकी तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर ने इस विश्वकप में अपनी गेंदबाजी से सभी को प्रभावित किया है। नेत्रवलकर के शानदार प्रदर्शन के कारण ही पहली बार टी20 विश्व कप खेल रही अमेरिकी टीम सुपर आठ में पहुंची है। नेत्रवलकर की गेंदबाजी के आगे विराट , रोहित के अलावा कई दिग्गज बल्लेबाज विफल रहे हैं।

सौरव के लिए हालांकि विश्वकप में खेलना आसान नहीं रहा। इसका करण है कि वह एक साफ्टवेयर इंजीनियर भी हैं। ऐसे में उन्हें विश्वकप से पहले देर

रात तक काम करना पड़ा। इसके बाद ही उन्हें विश्वकप खेलने के लिए छुट्टी मिल पायी। इस क्रिकेटर ने कहा, हर प्रोजेक्ट की एक डेडलाइन होती है, इसलिए वहां भी काम का दबाव रहता है, कई बार ऐसा हुआ है जब मैंने देर रात में काम किया है। मुझे अपना क्रिकेट कार्यक्रम पता है, इसलिए मैं अपने मैनेजर के साथ मिलकर उसी हिसाब से योजना बनाता हूं। मैंने विश्व कप के लिए टीम में आने से पहले अपना काम पूरा कर लिया था।

जब हमनें सुपर 8 के लिए क्वालीफाई किया तो मैंने अपने ऑफिस में बताया कि मैं कुछ दिन छुट्टियों पर ही रहूंगा। अब मेरा पूरा ऑफिस मेरा खेल देख रहा है और मेरा सहयोग कर रहा है। नेत्रवलकर का 2024 में नेटवर्थ लगभग 1-2 मिलियन डॉलर के आसपास है। इसमें उनका वेतन , विज्ञापन, अनुबंध और निवेश शामिल है।

सुपरआठ मुकाबलों से पहले तरोताजा होने वॉलीबाल खेलते दिखे भारतीय खिलाड़ी

बारबडोस। भारतीय टीम अब टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ मुकाबलों में उतरने के लिए तैयार है। भारतीय टीम ने लीग मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन किया था जिससे वह उत्साहित है। भारतीय टीम को सुपर आठ में अपना पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्तान से खेलना है। इससे पहले भारतीय टीम के खिलाफ तरोताजा होने के लिए बीच पर वॉलीबाल खेलते हुए दिखे। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो भी डाला है। टीम इंडिया को अफगानिस्तान के खिलाफ पहले सुपर-8 मैच के बाद 22 जून को बांग्लादेश के खिलाफ खेलना है। इसके बाद उसे अपने अंतिम मैच में 24 जून को ऑस्ट्रेलिया से खेलना होगा। सुपर-8 में चार-चार टीमों के दो ग्रुप बनाए गए हैं। कम से कम तीन में से दो मैच जीतने वाली टीम सेमीफाइनल में पहुंचेगी। हर ग्रुप से दो टीमें अगले दौर में पहुंचेंगी। भारतीय टीम सुपर-8 के लिए पहले अपनी अंतिम ग्यारह में कोई बदलाव करना नहीं चाहेंगी हालांकि विराट कोहली की फॉर्म

को लेकर चिंता बनी हुई है। विराट लीग स्तर में विफल रहे थे। वहीं बल्लेबाजी कोच विक्रम राठोड़ का कहना है कि नेट्स में विराट पूरी तरह से फॉर्म में नजर आ रहे हैं। उनके बल्ले से रन नहीं आना फिलहाल कोई चिंता की बात नहीं है। अब तक भारतीय टीम इस विश्वकप में बड़ा स्कोर नहीं बना पायी है। ऐसे में उसका लक्ष्य सुपर-आठ में बड़े स्कोर बनाना रहेगा।

व्यापार

शेयर बाजार में तेजी का रुख, सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया मजबूती का नया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। बकरीद की छुट्टी के बाद घरेलू शेयर बाजार ने आज कारोबार की शुरुआत होते ही ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बना दिया। हालांकि कारोबार की शुरुआत होने के बाद मुनाफा वसूली के दबाव में शेयर बाजार की चाल में गिरावट भी आई। इसके बावजूद अभी तक के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक लगातार हरे निशान में बने हुए थे। पहले एक घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.39 प्रतिशत और निफ्टी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती एक घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टाइटन कंपनी, श्रीराम फाइनेंस और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के शेयर 2.44 प्रतिशत से लेकर 1.56 प्रतिशत की

डिवीज लेबोरेट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील के शेयर 1.48 प्रतिशत से लेकर 0.71 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,247 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,339 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 908 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 23 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 7 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 37 शेयर हरे निशान में और 13 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 242.54 अंक उछल कर ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 77,235.31 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत में ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण ये सूचकांक 350 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 77,366.77 अंक के सर्वोच्च स्तर तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद बाजार में मुनाफा वसूली शुरू हो गई, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल में गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 297.27 अंक की मजबूती के साथ 77,290.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 105.20 अंक की तेजी के साथ ऑल टाइम हाई का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 23,570.80 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने की वजह से ये सूचकांक 130 अंक से अधिक की मजबूती के साथ अभी तक के सर्वोच्च स्तर 23,579.05 अंक तक पहुंच गया। लेकिन इसके बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने की वजह से इस सूचकांक की चाल में भी नरमी आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 87.80 अंक की बढ़त के साथ 23,553.40 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को सेंसेक्स 181.87 अंक यानी 0.24 प्रतिशत की मजबूती के साथ 76,992.77 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 66.70 अंक यानी 0.29 प्रतिशत उछल कर 23,465.60 अंक के स्तर पर शुक्रवार के कारोबार का अंत किया था।

एक ही दिन में जेफ बेजोस को पछाड़ नंबर वन बने मस्क

वाशिंगटन। एलन मस्क और जेफ बेजोस के बीच दुनिया का सबसे बड़ा रईस बनने की होड़ चल रही है। तीन दिन में नंबर एक की कुर्सी कभी मस्क तो कभी बेजोस के पास जा रही है। गुरुवार को मस्क नंबर वन बने थे तो शुक्रवार को बेजोस नंबर एक हो गए। नए हफ्ते के पहले दिन फिर मस्क ने बाजी मार ली। टेस्ला के शेयरों में 5.30 फीसदी तेजी के साथ ही मस्क फिर से नंबर वन हो गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक मस्क की नेटवर्थ में सोमवार को 6.74 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 210 अरब डॉलर के साथ दुनिया के सबसे बड़े रईस बन गए। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 207 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। मस्क की नेटवर्थ में इस साल 18.9 अरब डॉलर की गिरावट आई है जबकि बेजोस की नेटवर्थ 29.7 अरब डॉलर बढ़ी है। दक्षिण अफ्रीका में जन्मे और पेशे से इंजीनियर मस्क टेस्ला के साथ-साथ

कई और कंपनियां भी चलाते हैं। इनमें माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स (पहले नाम ट्विटर), स्पेसएक्स और सोलरसिटी शामिल हैं। टेस्ला दुनिया की सबसे वैल्यूएबल ऑटो कंपनी है। इसका मार्केट कैप 597.78 अरब डॉलर है और यह दुनिया की 13वीं बड़ी वैल्यूएबल कंपनी है। फ्रांस के अरबपति बर्नार्ड अरनॉल्ट 200 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर हैं। सोमवार को उनकी नेटवर्थ में 2.03 अरब डॉलर की तेजी आई। वैसे इस साल उनकी नेटवर्थ 7.13 अरब डॉलर घटी है। दुनिया के टॉप 12 अरबपतियों में 11 अमेरिका के हैं। फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म्स के मार्क जकरबर्ग 180 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर हैं। लैरी पेज, बिल गेट्स छठे, स्टीव बालमर सातवें, लैरी एलिसन आठवें, सर्गेई ब्रिन नौवें और वॉरेन बफे दसवें नंबर पर हैं।

एयर इंडिया महाराष्ट्र में खोलेगी फ्लाइंग स्कूल

नई दिल्ली। भारत की राष्ट्रीय एयरलाइन एयर इंडिया पायलटों की कमी से निपटने के लिए महाराष्ट्र के अमरावती में एक फ्लाइंग स्कूल खोलने की योजना बनाई है, जिसका उद्देश्य सालाना 180 पायलटों को प्रशिक्षण देना है। बिना किसी पूर्व उड़ान अनुभव के संभावित पायलट पूर्णकालिक अकादमी में दाखिला ले सकते हैं, जिससे उन्हें प्रशिक्षण के अगले चरणों को पूरा करने के बाद एयर इंडिया के कॉकपिट में शामिल होने का स्पष्ट रास्ता मिल जाएगा। एयर इंडिया अनुभवी और प्रमाणित पायलटों को प्रशिक्षकों के रूप में भर्ती करने की योजना बना रही है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्रों को उच्च-गुणवत्ता वाला प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिले। फ्लाइंग स्कूल में प्रवेश के लिए चयन प्रक्रिया कठोर होगी, जिसमें उम्मीदवारों का मूल्यांकन उनकी शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक फिटनेस और व्यक्तिगत साक्षात्कार के आधार पर किया जाएगा। एयर इंडिया के फ्लाइंग स्कूल से सफल उम्मीदवार न केवल एयर इंडिया के भीतर बल्कि

वैश्विक स्तर पर अन्य विमानन कंपनियों में भी करियर बनाने के लिए अच्छी तरह से तैयार होंगे। इस पहल का उद्देश्य विमानन उद्योग में कुशल पायलटों की बढ़ती मांग को पूरा करना और भारत में इस क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देना है। एयर इंडिया के इस कदम से न केवल विमानन क्षेत्र में नई उम्मीदें बढ़ेंगी, बल्कि भारतीय युवाओं को विमानन क्षेत्र में उनके सपनों को पूरा करने का एक और माध्यम मिलेगा। इस स्कूल के माध्यम से एयर इंडिया ने अपने तकनीकी और प्राधिकरण के लिए एक मजबूत प्लेटफ़ॉर्म बनाने का उद्देश्य रखा है।

एलआईसी अपनी संपत्तियों को बेचकर जुटाएगी 60 हजार करोड़

नई दिल्ली। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा है कि वह देश के मेट्रो शहरों में स्थित अपनी रियल एस्टेट सम्पत्तियों को बेचने की योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी अपने प्लॉट और कमर्शियल इमारतों को बेचेगी। इसके लिए एलआईसी ने एक इंटरनल टीम को निर्देश दिया है। जानकारी के मुताबिक एलआईसी प्रक्रिया मुंबई में अपनी संपत्तियों की बिक्री से शुरू करेगी। अगर एलआईसी की कुछ बहुमूल्य सम्पत्तियों की बात करें तो इनमें दिल्ली के कनाट प्लेस स्थित जीवन भारती बिल्डिंग, कोलकाता के चितरंजन एवेन्यू स्थित एलआईसी बिल्डिंग और मुंबई के एशियाटिक सोसाइटी

और अकबररैली में हाउसिंग प्रॉपर्टी शामिल हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंतिम वैल्यूएशन के दौरान इन संपत्तियों का कुल मूल्य 50-60 हजार करोड़ के बीच बताया गया है। इसके साथ ही एलआईसी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस प्रदाता और स्टॉक मार्केट में सबसे ज्यादा निवेश करने वाली कंपनी है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस इंश्योरेंस कंपनी के पास 51 ट्रिलियन रुपये (51 लाख करोड़) की संपत्तियां हैं। रिपोर्ट के मुताबिक बिक्री की प्रक्रिया को शुरू करने से पहले कंपनी अपनी संपत्तियों का मूल्यांकन शुरू कर सकती है। एलआईसी ने अपनी कई संपत्तियों का मूल्यांकन नहीं किया है और संभावना जताई जा रही है कि इन संपत्तियों का मूल्यांकन उनकी असली कीमत से पांच गुना अधिक कीमत पर हो सकता है जो कि 2.5-3 लाख करोड़ रुपये के आस-पास होगा। बता दें कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान एलआईसी का मुनाफा 40,676 करोड़ रुपये रहा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी भारत में जमीनों का मालिकाना हक रखने के मामले में तीसरे स्थान पर है। इस मामले में भारतीय रेलवे दूसरे स्थान पर है। एलआईसी अपनी संपत्तियों के प्रबंधन और बिक्री के लिए एक नई इकाई का गठन भी कर सकती है।

फरदीन को 14 साल इंडस्ट्री से दूर रहने का अफसोस

एक्टर फरदीन खान ने संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी' से एक्टिंग कमबैक किया है। एक्टर ने एक हालिया इंटरव्यू में कहा कि उन्हें सालों तक इंडस्ट्री से दूर रहने का अफसोस है। फरदीन ने बताया कि इस दौरान वो मुंबई छोड़कर कहीं और शिफ्ट हो गए थे जिसके चलते कई फिल्ममेकर्स को लगा कि वो एक्टिंग करने में इंट्रेस्टेड ही नहीं हैं।

मैं बस कम लोगों के संपर्क में था

पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में फरदीन ने कहा, 'मेरे पास साल 2014-15 तक ऑफर आते रहे। उसके बाद लोगों को लगा कि मैं देश छोड़कर कहीं जा चुका हूं। यह परसेप्शन मैं आज तक बदलने की कोशिश कर रहा हूं। मैं पूरे वक्त देश में ही था। बस कम लोगों के संपर्क में था।'

काश यह गैप 6-7 साल कम होता

एक्टर ने आगे कहा, 'जब मेरे पास फिल्मों के ऑफर आने शुरू हुए तब तक मैं काफी वेट गेन कर चुका था। लोगों को फिर लगा कि मैं एक्टिंग करने में इंट्रेस्टेड नहीं हूं। कुल मिलाकर मुझे इंडस्ट्री से 12-14 साल का ब्रेक लेने का अफसोस है। मैंने कुछ भी प्लान नहीं किया था पर कभी-कभी लगता है कि काश यह गैप 6 से 7 साल कम होता।'

वापस लौटा तो डरावना माहौल था

फरदीन इस दौरान सुपरस्टार सलमान खान के टच में भी रहे। एक्टर ने बताया, 'जब मैंने कमबैक करने का फैसला किया तो उन सभी लोगों से कॉन्टैक्ट किया जिनके साथ पहले काम कर चुका था। जब मैं वापस लौटा, वो वक्त बहुत ही डरावना था। मुझे एक दम न्यूकमर जैसी फीलिंग आती थी। इस पूरे दौर में मैं सलमान खान के साथ टच में रहा। संजय गुप्ता ने भी मुझे एक फिल्म 'विस्फोट' ऑफर की। मैं कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा से भी मिला। अभी भी लोगों से मिलकर उन्हें कन्विंस कर रहा हूं कि मैं वापस आ गया हूं और काम करना चाहता हूं।'

14 साल बाद 'हीरामंडी' से लौटे हैं फरदीन

1998 में फिल्म 'प्रेम अगन' से डेब्यू करने वाले फरदीन की आखिरी फिल्म 2010 में रिलीज हुई 'दूल्हा मिल गया' थी। अब उन्होंने 14 साल बाद 'हीरामंडी' से कमबैक किया है। इसके अलावा फरदीन के पास कॉमेडी फिल्म 'खेल-खेल में' भी है जिसमें उनके अलावा अक्षय कुमार और तापसी पन्नू जैसे कलाकार नजर आएंगे।

जानबूझ कर टीवी से दूर रहीं निया शर्मा

एक हजारों में मेरी बहना है और जमाई राजा जैसे टीवी शो से घर-घर मशहूर हुईं निया शर्मा इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। उनके शो सुहागन चुड़ैल को दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। निया ने लंबे समय के बाद टीवी सीरियल की दुनिया में वापसी की है। हाल ही में निया ने एक इंटरव्यू के दौरान इस लंबे ब्रेक के पीछे की कहानी को अपने फैंस के संग साझा किया है। निया शर्मा अपने इस ब्रेक के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, सबसे पहली बात तो ये है कि मैं किसी भी ऐसे शो का हिस्सा नहीं बनना चाहती थी जो शुरू होने के तीन महीने बाद बंद हो जाए। मैं लंबे और अच्छे शो के साथ जुड़ना चाहती थी इसलिए मैंने सोच-समझ कर यह ब्रेक लिया था। निया शर्मा अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, पिछले कुछ वर्षों में कितने ही शो शुरू हुए और बंद हुए किसी को पता भी नहीं चला। मुझे खुद इनमें से कई शो ऑफर हुए थे जो तीन-चार महीने में बंद हो गए। एक और अहम बात मुझे जो भी रोल ऑफर हो रहे थे मैं उनसे कनेक्ट नहीं फील कर रही थी इसलिए मैंने उन शो में काम नहीं किया।

निया शर्मा अपने शो सुहागन चुड़ैल को लेकर काफी उत्साहित हैं। वे कहती हैं, जैसे ही मैंने इस शो के बारे में सुना मैंने तय कर लिया था कि मुझे यह करना है। इस शो में मेरा किरदार काफी अलग और चैलेंजिंग है। मुझे यह शो करके काफी मजा आ रहा है।

निया शर्मा पिछली बार एकता कपूर द्वारा निर्मित शो नागिन 4 में नजर आई थीं। इस शो में उनके किरदार को दर्शकों ने काफी सराहा था। इसके बाद वे खतरों के खिलाड़ी- मेड इन इंडिया और झलक दिखला जा जैसे रियलिटी शो का हिस्सा बनीं और विजेता बनकर उभरीं।

बॉर्डर 2 से पहले सूर्या की शूटिंग शुरू करेंगे सनी देओल!

2023 में गदर 2 की भारी सफलता के बाद सनी देओल अपनी रोमांचक आगामी फिल्मों के लिए सुर्खियों में बने हुए हैं। अब, एक हालिया रिपोर्ट से पता चला है कि 66 वर्षीय अभिनेता सूर्या के लिए फिर से फिल्मांकन शुरू करने के लिए तैयार हैं। यह एक क्राइम ड्रामा है, जिसका निर्माण 2022 में शुरू हुआ था। कथित तौर पर लाहौर 1947 के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के बाद सनी देओल सूर्या की शूटिंग फिर से शुरू करने के लिए तैयार हैं। कमल मुकुट द्वारा निर्मित और एम पद्मकुमार द्वारा निर्देशित, यह फिल्म प्रशंसित मलयालम फिल्म जोसेफ (2018) का हिंदी रूपांतरण है, जिसका निर्देशन भी पद्मकुमार ने किया था। मुकुट के बेटे दीपक मुकुट ने एक इंटरव्यू में बताया, हमने फिल्म का 80 प्रतिशत से अधिक काम पूरा कर लिया है। सनी जल्द ही शूटिंग पूरी करेंगे। अन्य प्रतिबद्धताओं के कारण देओल की उपलब्धता के लिए दो साल के इंतजार के बावजूद, दीपक ने अभिनेता के व्यस्त कार्यक्रम के प्रति समझ और धैर्य व्यक्त किया। इसके अलावा, दीपक ने साझा किया कि मूल फिल्म जोसेफ को देखने के बाद सनी देओल एक शर्त पर रीमेक में भाग लेने के लिए सहमत हुए कि फिल्म अपनी मूल गंभीरता बरकरार रखेगी। दीपक मुकुट ने कहा, सनी भी रचनात्मक प्रक्रिया में शामिल हैं। हमारे साथ उनका रिश्ता एक फिल्म से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। हम उनका इंतजार करेंगे। क्राइम ड्रामा जोसेफ में जोजू जॉर्ज कथा का नेतृत्व करते हैं क्योंकि यह चार सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों के जीवन को उजागर करता है।

ताहिरा कश्यप के डेब्यू प्रोजेक्ट शर्माजी की बेटी का एलान

प्राइम वीडियो ने हाल ही में, कॉमेडी फिल्म शर्माजी की बेटी की अनाउंसमेंट की है। ताहिरा कश्यप खुराना द्वारा लिखित और निर्देशित यह फिल्म पांच महिलाओं के जीवन पर आधारित है। फिल्म महिलाओं के सपनों को एक नए पंख देने का काम करेगी और अपने सपनों को पाने के लिए सामने आने वाली चुनौतियों को भी बखूबी दिखाएगी। फिल्म में साक्षी तंवर, दिव्या दत्ता और सैयामी खेर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही वंशिका तपारिया, अरिस्ता मेहता, शारिब हाशमी और परवीन भी हैं। बता दें कि यह फिल्म ताहिरा का डेब्यू प्रोजेक्ट है।

यह है फिल्म की कहानी एक हल्की-फुल्की और दिल को छू लेने वाली फिल्म, शर्माजी की बेटी महिला सशक्तिकरण और उनके सामने आने वाली चुनौतियों के विषयों की पड़ताल करती है। तीन मध्यवर्गीय महिलाओं और दो छोटी लड़कियों - जिनका एक ही सरनेम शर्मा है, उनके जेनरेशन गैप को दिखाते हुए फिल्म उनके अनूठे अनुभवों और संघर्षों पर प्रकाश डालती है। फिल्म का पहला पोस्टर भी सामने आ गया है, जिसमें साक्षी और सैयामी समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है। निर्माताओं ने लिखा, साहसी दिल और बड़े सपने! क्या आप इन सुपरवुमेन से मिलने के लिए तैयार हैं? शर्माजी की बेटी का प्रीमियर 28 जून, 2024 से अमेजन प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है। कॉमेडी से भरपूर है फिल्म एलिप्सिस एंटरटेनमेंट के पार्टनर तनुज गर्ग और अतुल कस्बेकर ने कहा, शर्माजी की बेटी सहजता से हास्य और भावुक क्षणों को जोड़ती है, जो दर्शकों को तीन नायिकाओं के जीवन के माध्यम से एक रोलर कोस्टर यात्रा पर ले जाती है, जो अपने अलग तरीकों से चुनौतियों पर काबू पाती है। हमें ताहिरा जैसे निपुण नए निर्देशक के साथ विश्वास के इस प्रोजेक्ट पर बेहद गर्व है।

फिल्म में दिखेगा ताहिरा का विजन

उन्होंने आगे कहा, यह एक मासूम, सरलता से बताई गई कहानी है, जो दर्शकों को मुस्कुराने पर मजबूर कर देगी। साथ ही पीढ़ियों से चली आ रही महिलाओं के लचीलेपन और सपनों को भी स्क्रीन पर दिखाएगी। हमारा मानना है कि ताहिरा का विजन सभी को गहराई से प्रभावित करेगा, जिससे यह प्राइम वीडियो पर दर्शकों के लिए एक पारिवारिक मनोरंजन बन जाएगा।

इंडियाज बेस्ट डांसर 4 की नई जज बनेंगी करिश्मा कपूर!

लोगों का पंसदीदा मशहूर डांस रिएलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर के चौथे सीजन को लेकर प्रशंसक बेहद उत्साहित हैं। इस शो की जज अब बदल सकती हैं। सोनाली बेंद्रे इस डांस शो के सीजन तीन में जजों की टीम का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि पहले दो एपिसोड को मलाइका अरोड़ा ने जज किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब इस बार डांस रिएलिटी शो में सोनाली बेंद्रे की जज की कुर्सी को करिश्मा कपूर संभाल सकती हैं। करिश्मा कपूर का नाम बॉलीवुड की नामचीन अभिनेत्रियों की सूची में शुमार है। करिश्मा को मनोरंजन जगत में कई साल हो गए। 1992 में फिल्म प्रेम कैदी से अपने हिंदी फिल्म करियर की शुरुआत करने वाली करिश्मा का जादू अब इंडियाज बेस्ट डांसर 4 शो पर भी दिखाई दे सकता है। करिश्मा बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक है, लाजवाब अभिनय और बेहतर डांस उनकी कुछ खासियतों में से है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार करिश्मा इंडियाज बेस्ट डांसर के चौथे सीजन की जज की कुर्सी संभाल सकती हैं। करिश्मा डांस शो के निर्माताओं के साथ बातचीत कर रही हैं। भले ही उन्होंने अभी तक कॉन्ट्रैक्ट साइन नहीं किया है, लेकिन वह इस ऑफर से खुश हैं और इसे स्वीकार करने के लिए उत्साहित हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोनाली बेंद्रे को इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 4 में वापसी के लिए अभीतक संपर्क नहीं किया है, बल्कि इस शो के निर्माताओं ने करिश्मा कपूर से जज की कुर्सी संभालने के लिए बातचीत की है। उन्हें डांस शो के लिए फाइनल कर लिया गया है। जल्द ही करिश्मा आने वाले दिनों में अपना कॉन्ट्रैक्ट भी साइन कर लेंगी। अगर सबकुछ सही रहता है तो इस डांस के चौथे सीजन को करिश्मा कपूर, गीता कपूर और टेरेंस लुईस एकसाथ जज करेंगे।

सीजन 3 की जज रह चुकी हैं सोनाली

सोनाली बेंद्रे इंडियाज बेस्ट डांसर 3 के जजों के पैनल का हिस्सा रह चुकी हैं, जबकि इससे पहले दो एपिसोड को मलाइका अरोड़ा ने जज किया था। इंडियाज बेस्ट डांसर 3 पिछले साल सितंबर में खत्म हुआ था। इस डांस रियलिटी शो को समर्पण लामा ने जीता था। उन्होंने अंजलि ममगई, अनिकेत चौहान, विपुल खंडपाल और शिवांशु सोनी को पीछे छोड़ते हुए ट्रॉफी अपने नाम की थी।

रोशन परिवार की विरासत आगे बढ़ाना चाहती हैं पश्मीना

रोशन परिवार का बॉलीवुड का मशहूर फिल्मी घराना है। इस घराने से राजेश, राकेश और ऋतिक जैसी मशहूर संगीतकार,निर्देशक और अभिनेता देश को मिले हैं। अब इस घराने से एक और अभिनेत्री दर्शकों के दिल में जगह बनाने आ रही हैं। पश्मीना रोशन जल्द ही फिल्मी दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। इस बीच उन्होंने रोशन परिवार की विरासत को लेकर बात की है।

इश्क विश्क रिबाउंड से डेब्यू करने वाली हैं पश्मीना

ऋतिक रोशन की चचेरी बहन पश्मीना जल्द ही इश्क विश्क रिबाउंड से बतौर अभिनेत्री डेब्यू करने वाली हैं। इस वक्त पूरा रोशन परिवार उन पर गर्व महसूस कर रहा है। रोशन परिवार को विश्वास है कि पश्मीना इस परिवार की शाख को और बढ़ाएंगी। अब अभिनेत्री ने लोगों को उनसे जो उम्मीदें हैं, उसे लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है और साथ ही इस परिवार की विरासत को आगे बढ़ाने की इच्छा जाहिर की है।

खुद पर गर्व करने लायक काम करना चाहती हैं पश्मीना

पश्मीना ऋतिक रोशन के चाचा और मशहूर संगीतकार राजेश रोशन की बेटी हैं। एक इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि ऋतिक रोशन जैसी डेब्यू के करीब पहुंचना भी काफी मुश्किल है। पारिवारिक विरासत पर उन्होंने कहा कि ऋतिक अपने मूल्यों के लिए खड़े हैं और पारिवारिक विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। ऐसे में उन्हें भी यह उम्मीद है कि वह भी ऐसा कर पाएंगी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि वह ऐसा काम करना चाहती हैं, जिसकी वजह से वह खुद पर गर्व कर सकें।

21 जून को रिलीज होगी इश्क विश्क रिबाउंड

बताते चलें कि इश्क विश्क रिबाउंड आज के समय की एक प्रेम कहानी होगी। इसमें पश्मीना रोशन, रोहित सर्राफ, और जिब्रान मुख्य भूमिकाओं में नजर आने वाले हैं। हाल में ही फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था, जिसे दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के ट्रेलर को देखने के बाद ऋतिक रोशन और उनकी प्रेमिका सबा आजाद ने भी फिल्म को लेकर उत्साह जताया है। फिल्म को टिप्स फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन निपुण अविनाश धर्माधिकारी ने किया है। वहीं, फिल्म का निर्माण रमेश तौरानी और जया तौरानी ने किया है। इश्क विश्क रिबाउंड 21 जून, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बिग बॉस होस्ट करने से पहले अनिल कपूर ने शुरू की सूबेदार की शूटिंग

बॉलीवुड एक्टर अनिल कपूर इन दिनों रियलिटी स्ट्रीमिंग शो बिग बॉस ओटीटी को होस्ट करने को लेकर चर्चाओं में हैं। सलमान खान के बिजी होने के चलते अनिल कपूर को बिग बॉस ओटीटी 3 का होस्ट चुना गया है। इससे पहले अनिल कपूर ने अपनी अपकमिंग फिल्म सूबेदार की शूटिंग शुरू कर दी है। अनिल कपूर ने सोमवार को फिल्म सूबेदार से अपनी तैयारी की एक तस्वीर शेयर की। तस्वीर में वह एक शख्स का गला पकड़ते हुए नजर आ रहे हैं। यह एक फाइट ट्रेनिंग सेशन है। इससे पहले अमेजन प्राइम ने अनिल कपूर का फर्स्ट लुक शेयर किया था, जिसमें एक्टर हाथ में बंदूक लिए बैठे नजर आए थे। यह फिल्म अबुंदतिया एंटरटेनमेंट, ओपनिंग इमेज और अनिल कपूर फिल्म एंड कम्युनिकेशन नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड द्वारा निर्मित है। फिल्म की कहानी त्रिवेणी और प्रज्वल चन्द्रशेखर ने मिलकर लिखी है।